mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-163 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

15 जून 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

इंग्लैंड के खिलाफ ...

@ पेज 7

भोपाल एयरपोर्ट के 10 किलोमीटर दायरे वाले 27 मैरिज-गार्डन को नोटिस

भोपाल (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में हुए विमान हादसे के बाद भोपाल में भी बड़ा एक्शन हुआ है। यहां राजा भोज एयरपोर्ट के 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले 27 मैरिज गार्डन संचालकों को नोटिस थमाए गए हैं। मैरिज गार्डन संचालक शादी समारोह में लेजर लाइट का उपयोग कर रहे थे। इससे पायलटों को विमान के लैंडिंग में परेशानी आ रही थी।

बैरागढ़ एसडीएम रविशंकर राय ने संचालकों को शुक्रवार को नोटिस जारी किए। इसमें कहा है कि कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने 9 अप्रैल-25 को भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम की धारा 163 के तहत एयरपोर्ट से मुबारकपुर चौराहा एवं संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) तक के क्षेत्र में लेजर बीम, उच्च तीव्रता वाली रोशनी और स्काई फायर वर्क्स के उपयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंधित किया था।

बावजूद गार्डन में शादी के प्रोग्राम के दौरान इनका उपयोग हो रहा है। बता दें कि लेजर लाइट आसमान में करीब 150-200 मीटर तक अटैक करती है। ऐसे में विमान लैंडिंग के दौरान परेशानी होती है।

एसडीएम बोले- नियम तोड़े तो गार्डन होगा सील: एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी ने भी एयरपोर्ट के आसपास मैरिज गार्डन से लेजर बीम और सारपी लाइट से पायलटों को विमान लैंडिंग में परेशानी होने की बात कही थी। एसडीएम राय ने बताया, शुक्रवार को गार्डन संचालकों से बात भी की। उन्हें नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई है। बावजूद वे नहीं माने तो गार्डन को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। नियमित रूप से टीमें मैदान में उतरकर जांच करेगी।

अवैध निर्माण की जांच करने उतरेगी टीम: शुक्रवार को एसडीएम राय, सिटी प्लानर अनूप गोयल समेत कई अधिकारी राजा भोज एयरपोर्ट पहुंचे और निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क किनारे अवैध तरीके से लग रही मीट दुकानों का भी जायजा लिया। इन पर तत्काल एक्शन लेने की बात कही। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण को निर्देश दिए हैं कि टीमें नियमित रूप से दौरा करें। कोई दोषी पाया जाता है तो तुरंत कार्रवाई हो। दूसरी ओर, निगम की बिल्डिंग परमिशन समेत अन्य टीमें भी अवैध निर्माण की जांच करने मैदान में उतरेगी।

5 मीट दुकानों को सील किया: नगर निगम ने शुक्रवार को एयरपोर्ट के आसपास, सीटीओ, बैरागढ़ आदि क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से संचालक 5 दुकानों को सील कर दिया। निगम कमिश्नर नारायण ने अमले को नियमित रूप से निरीक्षण कर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप और पुतिन के बीच फोन पर हुई बात, ईरान-इजरायल विवाद सहित इन मुद्दों पर हुई चर्चा

रूस (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को फोन पर बात की। दोनों नेताओं के बीच पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और यूक्रेन शांति वार्ता पर चर्चा को लेकर बात हुई। दोनों के बीच करीब 50 मिनट तक फोन पर बातचीत की। पुतिन के सहयोगी यूरी उशाकोव ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। बातचीत के दौरान पुतिन ने ट्रंप को ईरान और इजराइल के नेताओं के साथ अपनी हालिया बातचीत के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही

उन्होंने ईरानी परमाणु मुद्दे पर परस्पर स्वीकार्य समाधान तलाशने के रूस के प्रस्ताव को दोहराया। ट्रंप और पुतिन के बीच बातचीत ईरान के सैन्य ढांचे पर इजरायल के हालिया हवाई हमलों के बाद व्यापक क्षेत्रीय युद्ध की बढ़ती आशंकाओं के बीच हुई। इस हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। हालांकि दोनों देशों के नेताओं के बीच बातचीत को उशाकोव ने ÷सार्थक और बहुत उपयोगी÷ बताया। उन्होंने कहा, ÷मिडिल-ईस्ट में स्थिति का खतरनाक रूप से बढ़ना स्वाभाविक रूप से विचारों के आदान-प्रदान के केंद्र में था।÷पुतिन ने कथित तौर पर ट्रंप को ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ अपने हालिया फोन संपर्कों के बारे में बताया। उन्होंने ईरानी परमाणु मुद्दे पर ÷पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समझौते÷ की तलाश करने के रूस के लंबे समय से चले आ रहे प्रस्ताव को दोहराया, जो एक बार फिर वैश्विक कूटनीति में एक फ्लैशपॉइंट बन गया है।

अमेरिका में दो सांसदों को घर में घुसकर मारी गोली, एक की मौत

ब्रुकलिन (एजेंसी)। अमेरिका के मिनेसोटा में दो सांसदों की उनके घर में गोली मार दी गई है। अधिकारियों

का कहना है कि मिनेसोटा के दो सांसदों को उनके घरों में गोली मारी गई, जिसे गवर्नर ने लक्षित हमला बताया है। मिनेसोटा प्रांतीय सदन की पूर्व स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति की राजनीतिक रूप से प्रेरित गोलीबारी में हत्या कर दी गई। वहीं एक दूसरे जनप्रतिनिधि और उनकी पत्नी को गोली मारकर घायल कर दिया गया। यह जानकारी मिनेसोटा गवर्नर टिम वाल्ज ने दी। इन लक्षित हत्याओं के बाद अधिकारी एक संदिग्ध की सक्रिय रूप से तलाश कर रहे हैं। वाल्ज ने शनिवार को कहा, ''मिनेसोटा और पूरे देश में हम सभी को, सभी प्रकार की राजनीतिक हिंसा के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।'' घायल जनप्रतिनिधि की पहचान प्रांतीय सीनेटर जॉन हॉफमैन के रूप में की गई है, जो डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं और पहली बार 2012 में निर्वाचित हुए थे। इससे पहले वे एनोका हेन्नेपिन स्कूल बोर्ड के उपाध्यक्ष रह चुके हैं, जो मिनेसोटा के सबसे बड़े स्कूल जिले का प्रबंधन करता है। हॉफमैन विवाहित हैं और उनकी एक बेटी है। इसके अलावा मृतक हॉर्टमैन प्रांतीय विधानमंडल में शीर्ष सदन डेमोक्रेटिक नेता और पूर्व सदन अध्यक्ष थीं। वह पहली बार 2004 में निर्वाचित हुई थीं। आपराधिक जांच ब्यूरो के अधीक्षक ड्रू इवांस ने कहा कि अधिकारी सक्रिय रूप से संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं। इवांस ने कहा कि चोटों की गंभीरता का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा, लेकिन हॉर्टमैन और उनके पति की मौत गोली लगने से हुई है।

दिल्ली सरकार जल्द लाएगी नई आबकारी नीति

मीडिया ऑडीटर, दिल्ली (निप्र)। दिल्ली सरकार जल्द ही नई आबकारी नीति लाने जा रही है। इसका उद्देश्य राजधानी के नागरिकों को क्वॉलिटी वाली शराब उपलब्ध कराने, शराब की बिक्री एवं वितरण प्रणाली को पारदर्शी, आधुनिक और उत्तरदायी बनाना है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि नीति का कोई भी पक्ष समाज के संवेदनशील वर्गों पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और शांति से समझौता न हो। सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति यह नीति तैयार कर रही है। समिति कई राज्यों की आबकारी नीति की भी समीक्षा कर रही है ताकि शराब के सही

वितरण के अलावा सामाजिक सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज जानकारी दी कि नई नीति के तहत आबकारी व्यवस्था में सुधार के अनेक बिंदुओं को शामिल किया जा रहा है। इसमें शराब की गुणवत्ता का वैज्ञानिक परीक्षण, बिक्री प्रणाली का डिजिटलीकरण, अवैध बिक्री पर रोक और लाइसेंसिंग प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करना प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि नई शराब नीति बनाने के लिए दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव धर्मेंद कुमार की अध्यक्षता में एक समिति कार्य कर रही है, जिसमें सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है। सीएम रेखा गुप्ता ने यह भी जानकारी दी कि उच्चस्तरीय समिति संबंधित पक्षों (हितधारकों) से विचार-विमर्श करने और अन्य राज्यों में अपनाई गई सर्वोत्तम प्रक्रियाओं का अध्ययन करने के उपरांत एक नई आबकारी नीति का प्रस्ताव तैयार कर रही है। यह कार्य 30 जून तक पूरा किया जाएगा। यह समिति दिल्ली सरकार (त्रह्ष्टञ्जष्ठ) की वर्तमान और पूर्व आबकारी नीतियों की समीक्षा करेगी। समिति को आवश्यक प्रशासनिक सहयोग आबकारी विभाग द्वारा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि यह समिति अपनी नीतिगत सिफारिशें सरकार के समक्ष प्रस्तुत करेगी, ताकि उस पर उपयुक्त निर्णय लिया जा सके।

बालाघाट में पुलिस से मुठभेड़

तीन महिला समेत चार नक्सलियों का एनकाउंटर

बालाघाट (एजेंसी)। बालाघाट में पुलिस ने एक मुठभेड़ में तीन महिला समेत चार नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ शनिवार दोपहर में बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र के पचामा दादर के जंगल में हुई। हॉक फोर्स और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली।

बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि- जीआरबी डिवीजन के नक्सलियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में पता चला था। इसके बाद हॉकफोर्स, जिला पुलिस बल और सीआरपीएफ, सर्च ऑपरेशन चला रही थी।

इसी दौरान सुरक्षाबलों को नुकसान पहुंचाने और उनके हथियार लूटने की मंशा से नक्सलियों ने जंगल में सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने जवाबी फायरिंग की। इसमें 4 हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराया गया है।

नक्सलियों के पास से एक ग्रेनेड लॉन्चर, एसएलआर राइफल, दो .315 राइफल, गोलाबारूद, वॉकी-टॉकी सेट और नक्सल

साहित्य बरामद किया है। मुठभेड़ के दौरान कुछ नक्सली के घायल होने की खबर है, जो घने जंगल का फायदा उठाकर भाग गए हैं।

नक्सलियों की तलाशी के लिए हॉकफोर्स, सीआरपीएफ और जिला पुलिस बल के 600 से ज्यादा जवानों को क्षेत्र में बड़े स्तर पर सर्चिंग अभियान में भेजा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बालाघाट में आज मुठभेड़ में 4 नक्सलियों को मार गिराया गया है। जिसमें 3 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल हैं। उनके पास से कई हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। प्रदेश सरकार इस घटना में अच्छे परिणाम लाने वाले पुलिसकर्मियों को जरूर पुरस्कृत करेगी।

इससे पहले 19 फरवरी को भी बालाघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली थी। कान्हा के वनक्षेत्र सूपखार में रौंदा फारेस्ट कैंप के पास हुई मुठभेड़ में 4 महिला नक्सली मारी गई थीं। इनमें आशा, शीला, रंजीता और लख्खे मरावी शामिल थीं। इन पर कुल 62 लाख रुपए का इनाम था। ये 2015-16 से नक्सली गतिविधियों में सक्रिय थीं।

'अगले राजा रघुवंशी हम न बन जाएं'

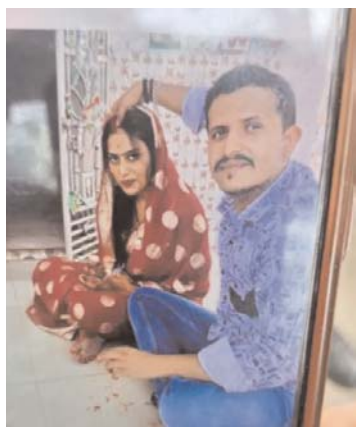

छतरपुर (एजेंसी)। राजा रघुवंशी हत्या के बारे में तो लगभग हर किसी को जानकारी होगी ही। उस खबर के बारे में जानने के बाद अब युवाओं में एक अलग ही डर देखने को मिल रहा है। इसका एक जीता-जागता उदाहरण हमें छतरपुर में देखने को मिला जहां एक शख्स ने पुलिस में जाकर एक महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया है कि उसे उस महिला से बचाया जाए। वहीं इस कहानी में ट्विस्ट तब देखने को मिला जब उस महिला ने भी एसपी ऑफिस में जाकर उस आदमी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। आइए आपको विस्तार से बताते हैं कि इस मामले में किसका क्या कहना है और पुलिस ने क्या कुछ बताया है।

राजस्थान-मध्यप्रदेश में दिनभर लू चली, शाम को हुई झमाझम बारिश

असम के गुवाहाटी में बाढ़ के हालात, यूपी के वाराणसी में टेम्परेचर 42 डिग्र

मीडिया ऑडीटर, नई दिल्ली/भोपाल/ (निप्र)। मानसून ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है। पिछले 6 दिन से पड़ रही तेज गर्मी के बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश के कई शहरों में शनिवार शाम को बारिश हुई। राजस्थान के श्रीगंगानगर, बीकानेर, अजमेर में प्री-मानसून एक्टिव रहा। शुक्रवार को श्रीगंगानगर देश का सबसे गर्म शहर था। यहां तापमान 49.4 डिग्री पहुंच गया था।

वहीं उत्तर प्रदेश के वाराणसी और मथुरा में अभी भी गर्मी और लू से राहत नहीं मिली है। वाराणसी में 42 डिग्री टेम्प्रेचर के कारण ट्रांसफॉर्मर फेल हो गए, जिन्हें कूलर से ठंडा किया गया। मथुरा में पारा 41 डिग्री पहुंच गया। यहां स्प्रिंकलर से सड़कों पर पानी छिड़का गया।

IMD के वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि मानसून महाराष्ट्र में एक्टिव है। अगले दो दिनों में गुजरात की ओर बढ़ेगा, फिर ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को कवर करेगा। मध्य प्रदेश में 16 जून तक मानसून की एंट्री हो सकती है।

पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश का दौर जारी है। यह अगले दो दिनों में और ज्यादा असर दिखाएगा। शनिवार को असम के गुवाहाटी में बारिश के बाद आई बाढ़ से जन-जीवन प्रभावित हुआ है।

उधर बीती रात पुणे में भारी बरसात हुई। पिंपरी चिंचवड़ शहर की सड़कों पर पानी भर गया। नाले में चार से पांच गाड़ियां बह गई, गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ।

राजा की रील देख भड़क गई सोनम

गाजीपुर की लड़की का दावा- मेरे साथ बस में बैठी

मीडिया ऑडीटर, इंदौर (निप्र)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में यूपी के गाजीपुर की एक लड़की सामने आई है। उजाला यादव नाम की इस लड़की का दावा है कि वह सोनम से मिली थी। हालांकि उसे उस वक्त पता नहीं था कि वह सोनम ही है।

उजाला यादव ने बताया कि बस में वह मेरे पास बैठी थी। मैं मोबाइल पर राजा रघुवंशी की रील देख रही थी। ये देखकर सोनम भड़क गई। मुझसे कहा कि यह सब फर्जी और फालतू है, इन्हें मत देखो। जब सोनम की गिरफ्तारी हुई तब मुझे पता कि वह सोनम थी।उजाला ने बताया कि सोनम की गिरफ्तारी के बाद मैंने सोशल मीडिया से राजा के भाई सचिन के नंबर निकाले और उनसे फोन पर बात की। इस बातचीत के दो ऑडियो भी सामने आए है। जिसके बाद दैनिक भास्कर ने उजाला से बातचीत की। गाजीपुर की युवती उजाला ने दावा किया है कि उसने सोनम को देखा था।

उजाला ने दावा किया है कि जब वह कैंट स्टेशन वाराणसी से आ रही थी। वहां उसे

सोनम मिली थी। बातचीत हुई तो उसने कहा कि मुझे कोई ट्रेन बताइए, गोरखपुर जाना है। तब मैं लखनऊ से अपने घर नसीदपुर आ रही थी।उजाला ने बताया- रात के 11 बजे उसने एक लड़के से उसने फोन मांगा था। उसने मना कर दिया। इसके बाद उसने मुझसे फोन मांगा। मैंने उसे कहा कि हां मैं दूंगी। हम एक ही बस से आए। मैं गाजीपुर से 10 किमी पहले अपने घर नसीदपुर उतर गई।

युवती उजाला ने बताया कि मैंने सोनम के साथ बस में सफर किया। 1 घंटे वह बस में मेरे पास ही बैठी थी। जब मैं राजा और सोनम से वीडियो इंस्टाग्राम पर देख रही थी। तभी सोनम भड़क गई। कहने लगी कि मत देखो, ये सब फर्जी है फालतू है।

सोनम जब बस में बैठी उसने मैंगो ज्यूस भी पिया। उसके पास पानी की बोतल भी थी। उसे देखकर नहीं लग रहा था कि वह इतनी शातिर होगी। सोनम ने टी-शर्ट और पेंट पहना था। इसके अलावा उसने हरे रंग के दुपट्टे से मुंह भी छिपा रखा था। वाराणसी से चलने के बाद वह नंदगज में उतर गई। शायद वह कन्फ्यूज हो गई थी कि इसलिए वह वहीं उतर गई।

अहमदाबाद विमान हादसा, 170 ताबूत तैयार करने का ऑर्डर

275 पहुंची मृतकों की संख्या; 248 DNA सैंपल्स लिए गए, 15 शवों की पहचान

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा गया है। शवों को रखने के लिए 170 ताबूत का ऑर्डर दिया गया। बड़ोदरा के शख्स ने बताया कि एअर इंडिया के मैनेजर ने फोन कर ताबूतों का ऑर्डर दिया।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल के डिप्टी सिविल सुपरिंटेंडेंट रजनीश पटेल ने शनिवार को कहा कि अब तक 248 शवों के ष्ठहृ सैंपल्स का क्रॉस वेरिफिकेशन हुआ है। जिसमें से 15 का DNA मैच हुआ है।

पटेल ने कहा कि 3 शव उनके परिवार को सौंपे गया। शुक्रवार का 8 शव उनके परिजनों को हैंडओवर किया गया था। कुल 11 शव सौंपे जा चुके हैं। 8 घायलों का इलाज चल रहा है, एक की हालत गंभीर है।वहीं, सिविल एविएशन मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया-

केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

इससे पहले बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा था। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है। कहा जा रहा है कि यह शव एयर होस्टेस का हो सकता है।

निकाय चुनाव से पहले बदल रहे महाराष्ट्र के सियासी समीकरण

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में निकाय चुनाव से पहले सियासी समीकरण बदल रहे हैं। शरद पवार ने मुंबई में पत्रकारों से कहा है कि वह बीजेपी छोड़ किसी भी दल के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर वह अजित पवार या एकनाथ शिंदे की पार्टी के साथ गठबंधन करते हैं को महाविकास अघाड़ी और महायुति गठबंधन का क्या होगा और दोनों गठबंधन में शामिल दल क्या फैसला करेंगे। महाराष्ट्र में

महानगर पालिका, जिला परिषद, पंचायत समिति और नगरपालिका चुनाव जल्द ही होने वाले हैं। मुंबई में आमतौर पर शिवसेना और कांग्रेस के बीच मुकाबला होता था। इस बार शिवसेना दो हिस्सों में बंटी हुई है। ऐसे में उद्धव ठाकरे मनसे के साथ मिलकर स्थानीय चुनाव लड़ सकते हैं। ठाकरे परवार के एक होने की खबरें लंबे समय से चल रही हैं। चुनाव से पहले अगर उद्धव और राज ठाकरे साथ आते हैं तो उद्धव गुट को मजबूती मिलेगी। हालांकि, महाविकास अघाड़ी में इससे दरार पड़ सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 16 जून को लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित करेंगे राशि

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार 16 जून को जबलपुर जिले के बरगी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, संबल योजना और सिलेंडर रिफिलिंग योजना में हितग्राहियों के खातों में जून माह की राशि अंतरित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना की जून माह की किस्त 1551 करोड़ 44 लाख रूपये अंतरित करेंगे। लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 25वीं किस्त है। योजना में प्रत्येक लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रूपये की राशि उनके खातों में अंतरित की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 341 करोड़ रूपए की राशि अंतरित करेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री 27 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 39.14 करोड़ रुपए की राशि भी उनके खातों में सिंगल क्लिक से अंतरित करेंगे। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव संबल योजना में 6821 श्रमिक परिवारों की 150 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं के लाभार्थियों को हितलाभ वितरण करने के साथ ही अनेक विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे।

मध्यप्रदेश का दूसरा सोन घड़ियाल अभयारण्य, जहाँ हो रहा है प्राकृतिक पर्यावास में घड़ियालों का प्रजनन

भोपाल(एजेंसी)। मध्यप्रदेश में चंबल अभयारण्य के बाद दूसरे सोन घड़ियाल अभयारण्य में प्राकृतिक पर्यावास में घड़ियाल का प्रजनन हो रहा है। अभयारण्य घड़ियाल, स्कीमर सहित अन्य दुर्लभ जलीय जीव-जंतुओं के लिये प्रजनन के महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में विकसित हो रहा है। अभयारण्य पर मंडरा रहे अस्तित्व के संकट के बीच अभयारण्य में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों की इच्छा-शक्ति और अथक प्रयासों से सोन नदी के तटों पर निवासरत समुदायों के सहयोग एवं सहभागिता से जलीय जीव-जंतुओं का संरक्षण करने में सफलता प्राप्त की है। अभयारण्य में 21-22 मई, 2025 को घड़ियालों द्वारा दिये गये अण्डों से लगभग 80 बच्चे निकले है। शेष अण्डों से बच्चे निकालने का क्रम जारी है। अभयारण्य में नर घड़ियाल नहीं होने से प्रजनन अवरुद्ध हो गया था। चंबल अभयारण्य से 14 जनवरी, 2025 को एक नर घड़ियाल लाने के बाद 8 मादा घड़ियालों द्वारा माह मार्च-2025 में अण्डे दिये गये थे। सोन घड़ियाल अभयारण्य, सीधी का गठन घड़ियाल एवं अन्य जलीय जीवों के संरक्षण के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन के नोटिफिकेशन 23 सितम्बर, 1981 को किया गया था। इसके अंतर्गत सोन, गोपद एवं बनास नदियों में 209.21 किलोमीटर लम्बाई और चौड़ाई 200 मीटर है। अभयारण्य में वर्ष 2025 में की गयी जलीय जीव-जंतुओं एवं पक्षियों की गणना में 38 घड़ियाल, 74 मगरमच्छ, 41 स्मीकर, 49 प्रकार के कुल 4015 पक्षी तथा कछुए एवं मछलियों की अनेक प्रजातियाँ, जलीय सर्प इत्यादि जीव पाये गये।

उर्दू पाण्डुलिपियाँ 9 जुलाई तक आमंत्रित

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश उर्दू साहित्यकारों एवं शायरों से वर्ष 2025-26 के लिए उनकी पाण्डुलिपियों के प्रकाशन के लिये आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिए पाण्डुलिपियां सहित आवेदन 9 जुलाई तक आमंत्रित किये गये है। पाण्डुलिपियां म.प्र. उर्दू अकादमी, मुल्ला समूजी भवन भोपाल में कार्यालीन समय में प्राप्त की जा सकेंगी। आवेदकों के पाण्डुलिपि के साथ मध्यप्रदेश का मूल निवासी प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। ऐसे आवेदनों पर नहीं विचार किया जाएगा जिन्होंने विगत दस वर्षों में आर्थिक सहायता प्राप्त न की हो।

पुस्तक प्रकाशन के लिये आर्थिक सहायता देने हेतु बनाई गई कमेटी का निर्णय ही अंतिम होगा।

मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिये किये जाये समन्वित प्रयास

भोपाल (एजेंसी)। केन्द्रीय मछुआ पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने कहा है कि दुनिया में मछली उत्पादन में भारत का स्थान दूसरा है। मछली उत्पादन मुनाफे का व्यवसाय है जिसमें मछली उत्पादक अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकता है। इसके लिए मत्स्य उत्पादकों को शिक्षण और प्रशिक्षण के साथ तकनीकी जानकारी भी देना होगी। साथ ही उन्हें अच्छा बीज भी उपलब्ध कराना होगा। यदि हमें विटामिन और प्रोटीन उत्पादन के क्षेत्र में आगे बढ़ना है, तो हमें मछली उत्पादन को अधिक बढ़ावा देने की जरूरत है। देश में मछली उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार की कई ऐसी योजनाएं है, जिसका लाभ उठाकर मछली उत्पादक अपने व्यवसाय को एक नई ऊँचाई दे सकता है। बीते 10 वर्षों में भारत में मछली का उत्पादन 61 लाख टन से बढ़कर 147 लाख टन हुआ है। इसी अवधि में भारत ने मत्स्य उत्पाद का निर्यात 30 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 60 हजार करोड़ रुपये का हो गया है। केन्द्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह आज इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में इनलैंड फिशरीज् एण्ड एक्वाकल्चर मीट के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में अहमदाबाद में हुई विमान त्रासदी में मृत यात्रियों एवं अन्य को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

केन्द्रीय मंत्री श्री रंजन ने कहा कि असंगठित क्षेत्रों में जो मछली उत्पादक है, उन्हें संगठित क्षेत्रों में लाना है। मत्स्य सहकारी समितियों को और मजबूत करना होगा। सभी मत्स्य उत्पादकों को किसान क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेना चाहिए। केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित विभिन्न राज्य सरकार की योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री मीनाक्षी योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना, अनुगृह सहायता योजना, शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ मत्स्य उत्पादक उठायें। इन योजनाओं के माध्यम से मत्स्य उत्पादक अपने व्यवसाय को कई गुना आगे बढ़ा सकते हैं। मंत्री श्री राजीव रंजन ने कहा कि हर राज्य मत्स्य किसानों को एक विस्तृत कार्य योजना बनाकर एनएफडीबी द्वारा प्रदाय निःशुल्क प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करायें ताकि मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता में बढ़ोतरी हो। उन्होंने आगे कहा कि मत्स्य सहकारी समिति को मजबूत करना हमारा लक्ष्य है। इस हेतु नेशनल फिश डिजिटल पोर्टल में किसानों का पंजीयन करायें। मत्स्य किसानों में जागरूकता

फैलाये तथा राज्य सरकार मछली उत्पादन-उत्पादकता बढ़ाने पर विशेष जोर दें तथा अच्छी गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। केन्द्रीय पशुपालन एवं मछली पालन विभाग के मंत्री श्री जार्ज कुरियन ने कहा कि देश में तीन करोड़ लोग मछली उत्पादन से जुड़े है। विश्व के कुल मत्स्य उत्पादन में भारत का 8 प्रतिशत योगदान है, जो कम नहीं है। मछली उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार सतत प्रयासरत है। मंत्री श्री कुरियन ने आगे कहा कि मछली उत्पादकों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिलना चाहिए। केन्द्र सरकार प्रतिवर्ष मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। मछुआरों के बच्चों को शिक्षा के लिए भी सुविधाओं में और बढ़ोतरी होनी चाहिए। केन्द्रीय पशुपालन एवं मछली पालन विभाग के राज्यमंत्री श्री एस.पी. सिंह बघेल ने कहा कि यदि हमें कृषि के क्षेत्र में किसानों की आय दुगुनी करना है तो हमें मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, पशुपालन को बढ़ावा देना होगा। मछली उत्पादन के लिए हमें हर जिले में अमृत सरोवर की संख्या को बढ़ानी होगी। केन्द्रीय मंत्री श्री बघेल ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि देश में छोटी-छोटी नदियां विलुप्त की कगार पर है, इस ओर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।मत्स्य पालन एवं मछुआ कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री नारायण सिंह पंवार ने कहा कि राज्य सरकार मत्स्य उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के लिये निरंतर प्रयासरत है। इसके लिये अनेक कारगर प्रयास किये जा रहे हैं। भोपाल में हलाली क्लस्टर की स्थापना की जा रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह का मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया आत्मीय स्वागत

भोपाल(एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एयरपोर्ट के ओल्ड टर्मिनल पर पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। गृह मंत्री श्री शाह के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भी हेलीकॉप्टर से पचमढ़ी के लिए रवाना हुए। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह का पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने भी पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। इस अवसर पर भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय और पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जल संरक्षण के क्षेत्र में प्रदेश को बड़ी सफलता, खंडवा बना देश-प्रदेश का टॉप जिला

भोपाल(एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान मध्यप्रदेश में जल संरक्षण के संकल्प के लिये जन-सहभागिता जुटाने में एक ऐतिहासिक पहल सिद्ध हुआ है। यह अभियान 30 मार्च से 30 जून, 2025 तक संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नदियों, जल स्रोतों और वेटलैंड्स का संरक्षण तथा पुनर्जीवन सुनिश्चित करना है। मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद द्वारा जारी नवीनतम राज्य स्तरीय प्रदर्शन डैशबोर्ड के आकलन के अनुसार खंडवा मध्यप्रदेश में पहले स्थान पर है। इससे पूर्व केन्द्रीय एजेंसी ने जल संरक्षण कार्यों के लिए खंडवा को देश का शीर्ष जिला घोषित किया है। इस सूची में मध्यप्रदेश को चौथे स्थान मिला है। खेत-तालाब निर्माण का लक्ष्य 77,940 तय किया गया था, लेकिन प्रदेश में 79,815 खेत-तालाबों का निर्माण हो रहा है, जो शत प्रतिशत से भी अधिक है। अभियान की अवधि में प्रतिदिन औसतन 1,078 खेत-तालाबों के निर्माण का प्रारंभ किया जा रहा है। डगवेल रिचार्ज संरचनाओं के लिये 1,03,900 के लक्ष्य में से 1,00,321 संरचनाओं का निर्माण जारी है, जो लक्ष्य का 96.56त्न है। प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 1,355 डगवेल निर्माण शुरू किया जा रहा है। अमृत सरोवर लक्ष्य 992 के मुकाबले 1,254 निर्मित किये जा रहे हैं।

मायभारत पोर्टल पर जलदूत पंजीयन का लक्ष्य 1,62,400 तय किया गया था, जबकि 2,30,749 स्वयंसेवकों का पंजीकरण किया जा चुका है जो लक्ष्य काफी अधिक है।

उज्जैन में रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरा, ट्रेनें प्रभावित

भोपाल(एजेंसी)। एमपी में मानसून की एंट्री बस आज-कल में होने वाली है। इससे पहले प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर जारी है। शनिवार को भी उज्जैन, जबलपुर, सागर, नीमच और शाजापुर जिले में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई है। भोपाल में भी धूलभरी आंधी चली। कुछ इलाकों में बारिश हुई। इंदौर, रायसेन में भी पानी गिरा। मंदसौर में ओले गिरे।

नीमच में आंधी से एक मकान पर टीनशेड उड़ गया। आंधी के कारण उज्जैन के पास बेरछा और पीर अमरूद के बीच रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिर गया। जिससे कुछ ट्रेन प्रभावित हुई है। भोपाल से चलकर दाहोद जाने वाली 19340 गाड़ी को बीच में रोकना पड़ा। करीब एक घंटे से गाड़ी रुकी रही। जबलपुर में शनिवार दोपहर अचानक मौसम बदलाव बदल गया। शहर के रांझी, गोपालपुर, जीसीएफ क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई। करीब 15 मिनट तक हुई बारिश से लोगों को गर्मी से काफी हद तक राहत मिली है। मध्यप्रदेश में अगले कुछ घंटे तक तेज आंधी के साथ बारिश का दौर जारी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, विदिशा, झाबुआ, रतलाम, श्योपुर, शिवपुरी, भिंड और सिवनी में आकाशीय बिजली गिरने के साथ तेज आंधी चलने और बारिश होने का अलर्ट है। इसी तरह राजगढ़, धार, अलीराजपुर, इंदौर, नीमच, मंदसौर, उज्जैन में मध्यम गरज के साथ 60 किमी प्रति घंटे तक की हवा चलने की संभावना है। शाजापुर, ग्वालियर, मुरैना, दतिया, गुना, अशोकनगर, टीकमगढ़, सतना, शहडोल, उमरिया, छिंदवाड़ा, मंडला, डिंडौरी, भोपाल, सीहोर, रायसेन, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, देवास, आगर-मालवा, हरदा, बैतूल, ग्वालियर, नर्मदापुरम, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, अनूपपुर, जबलपुर, सिंगरौली समेत पूरे प्रदेश में मौसम बदला रहेगा। यहां आंधी और बारिश का अलर्ट है।

नौ नगरीय निकायों में एक-एक पार्षद के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित

भोपाल(एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा 9 नगरीय निकायों में एक-एक पार्षद के उप निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। उप निर्वाचन के लिये मतदान 7 जुलाई 2025 को होगा। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने जानकारी दी है कि निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन और नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने का कार्य 16 जून से शुरू होगा। नाम निर्देशन पत्र 23 जून, 2025 तक लिये जायेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 24 जून को होगी।

अभ्यर्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 26 जून है। इसी दिन अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रतीकों का आवंटन भी किया जायेगा। मतदान 7 जुलाई को सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। मतगणना और निर्वाचन परिणामों की घोषणा 10 जुलाई को सुबह 9 बजे से होगी। नगर पालिका परिषद बैरसिया के वार्ड 7, नगरपालिका परिषद सिवनी के वार्ड 11, नगर परिषद सांवेर के वार्ड 7, गौतमपुरा के वार्ड 15, ककरहटी के वार्ड 13, बिछिया के वार्ड 13, खांड के वार्ड 8, न्यूटन चिखली के वार्ड 4 और नगरपरिषद भीकनगाँव के वार्ड 5 में पार्षद पद के लिये उप निर्वाचन होगा।

पीएमएफएमई योजना की सफलता में डिस्ट्रिट रिसोर्स पर्सन की भूमिका महत्वपूर्ण : एसीएस श्री राजन

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन में डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन की भूमिका महत्वपूर्ण है। डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन और बैंक मिलकर योजनाओं के प्रकरणों की स्वीकृति में समन्वय से कार्य करें, जिससे 7 हजार प्रकरण स्वीकृति का लक्ष्य समय-सीमा में प्राप्त किया जा सकें। यह बात अपर मुख्य सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण श्री अनुपम राजन ने आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी के सभागार में पीएमएफएमई योजनान्तर्गत बैंकर्स और डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन की संयुक्त कार्यशाला में कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य शासन द्वारा जिन राज्यों में

पीएमएफएमई योजना में बेहतर कार्य हुआ है, वहाँ डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन को केस स्टेडी के लिए भेजा जायेगा।

अपर मुख्य सचिव श्री राजन ने कहा कि कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए आवश्यक है कि किसानों को उद्यानिकी फसलों की ओर प्रेरित किया जाये, उद्यानिकी फसलों को खाद्य प्र-संस्करण से परिष्कृत किया जाये। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए ही भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम योजना प्रारंभ की गई है। मध्यप्रदेश में योजना का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया गया है। योजना के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये जिला स्तर से लेकर ब्लॉक स्तर तक जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।

नाबार्ड और एनआरएलएम के स्व-सहायता संगठनों से समन्वय स्थापित कर ऋण प्रकरण तैयार कराये जायें। आयुक्त उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण श्रीमती प्रीति मैथिल ने कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य डिस्ट्रिक रिसोर्स पर्सन और बैंकर्स को एक मंच पर लाकर योजना के क्रियान्वयन को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में कृषि उद्योग समागम के माध्यम से खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को प्रोत्साहित करने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।

सर्प-दंश से जन-सामान्य के बचाव के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सर्पदंश के मामलों को गंभीरता से लेते हुए इसे स्थानीय आपदा घोषित किया है। पिछले वर्ष सर्प-दंश से 2,500 से अधिक मौत हुई थी जिससे व्यापक जनहानि हुई थी। बारिश के मौसम में बढ़ने वाली इन घटनाओं की रोकथाम के लिए एक बहुआयामी रणनीति तैयार की है, जिसमें जनजागरूकता, आपातकालीन सेवाओं का सुदृढ़ीकरण और निवारण संबंधी उपाय शामिल किए गए हैं।इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड स्तर पर स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोशल मीडिया, रेडियो, होर्डिंग्स और प्रिंट मीडिया के जरिए सर्पदंश से

बचाव और प्राथमिक उपचार की जानकारी प्रसारित की जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों में विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को इस खतरे और उससे बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित किया जाएगा।

प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित सर्प मित्र और स्नेक-कैचर्स की तैनाती की जाएगी, जिनके हेल्पलाइन नंबर जनता को उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी-वेनम (विषनाशक दवा) का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाएगा। पीड़ितों को निकटतम चिकित्सा केन्द्र तक पहुँचाने की व्यवस्था को और सुचारू बनाया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके।

जनजागरूकता गतिविधि में ग्रामीणों को खेतों और जंगलों में काम करते समय मोटे जूते और दस्ताने पहनने की सलाह दी जाएगी। घरों के आसपास सफाई रखने, झाड़ियों को काटने और कूड़े के उचित निपटान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पशुपालकों को पशुशालाओं के आसपास बाड़ लगाने और पर्याप्त रोशनी का प्रबंध करने की सलाह दी गई है। पर्यटन स्थलों पर सर्प अधिकता क्षेत्रों को चिह्नित करने और चेतावनी बोर्ड लगाने का भी प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार ने इस अभियान के लिए प्रत्येक जिले को 23.17 लाख रुपये आवंटित किए हैं। बजट का उपयोग प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल और जनजागरूकता कार्यक्रमों में किया जाएगा।

नए जिला अध्यक्ष चयन की कवायद

भोपाल (एजेंसी)। कांग्रेस की भोपाल ग्रामीण की प्रभारी और पूर्व विधायक दिव्या मदेराणा ने कहा है कि पार्टी के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जिला अध्यक्ष के चयन के लिए पार्टी के मंडलम, सेक्टर के कार्यकर्ताओं से वन टू वन शुरू हो गया है। इसके अलावा कार्यकर्ताओं की सामूहिक बैठकें भी ले रहे हैं और 18 जून तक संगठन की ब्लॉक वार बैठकें ली जाएंगी। इस दौरान कांग्रेस के मोर्चा संगठन, प्रकोष्ठ विभाग प्रभारियों के साथ ब्लॉक स्तर पर बैठकें की जाएंगी। मदेराणा ने जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अंतर्गत विधानसभा, लोकसभा प्रत्याशी, जिला अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं से वन टू वन शुरू कर दिया है और 20 जून तक संगठन को रिपोर्ट देंगी।

बताया जाता है कि केंद्रीय संगठन के निर्देश पर आज भोपाल जिला कांग्रेस ग्रामीण के कार्यकर्ताओं से वन टू वन के दौरान मदेराणा ने सवाल किए कि कैसा जिला अध्यक्ष चाहिए?। कैसे हैं वर्तमान जिला अध्यक्ष? और यह भी कहा कि अगर किसी को जिला अध्यक्ष के लिए

दावेदारी करना है तो वे भी कर सकते हैं। मदेराणा ने आज कार्यकर्ताओं की बैठक के बाद मीडिया से भी चर्चा की। इस दौरान कांग्रेस के भोपाल ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनोखी मान सिंह भी मौजूद रहे।

उधर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी आज सीहोर में हैं। वे पार्टी के संगठन सृजन कार्यक्रम के लिए बैठकें करने के साथ किसानों के हित में कार्यकर्ताओं को संघर्ष करने और बीजेपी सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर प्रदर्शन करने का आह्वान कर रहे हैं।

पात्र हितग्राहियों को प्रति माह 2.90 लाख मीट्रिक टन निःशुल्क खाद्यान्न वितरण

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत प्रदेश में 5 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को प्रति माह लगभग 2 लाख 90 हजार मीट्रिक टन निःशुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी 27 हजार 944 उचित मूल्य दुकानों में पीओएस मशीन स्थापित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री राजपूत ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उचित मूल्य दुकानों में परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा बायोमेट्रिक सत्यापन/ओटीपी के माध्यम से राशन प्राप्त किया जा सकता है। अशक्त एवं दिव्यांगजनों के लिये नॉमिनेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत यह लोग जिस व्यक्ति को नामांकित कर देते हैं, उन्हें खाद्यान्न प्रदान किया जाता है। राशन वितरण की सूचना हितग्राही को एसएमएस के माध्यम से भी देने का प्रावधान है। प्रदेश में लगभग 653 उचित मूल्य दुकानें शेडो एरिया में हैं, यहां पर समग्र परिवार आईडी के माध्यम से खाद्यान्न का वितरण किया जाता है।

उत्पादन आयुक्त द्वारा रबी फसल की उपलब्धियों तथा खरीफ फसल की तैयारियों के संबंध में संभागीय बैठक की पूर्व तैयारी बैठक में समीक्षा की

'दलहन-तिलहन फसलों के साथ मोटे किस्म के अनाज उत्पादन के क्षेत्र विस्तार को प्राथमिकता दें'

उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र विस्तार में कृषि व पशुपालन विभाग सहयोग करें - कमिश्नर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने आगामी 18 जून को कृषि उत्पादन आयुक्त द्वारा रबी फसल की उपलब्धियों तथा खरीफ फसल की तैयारियों के संबंध में संभागीय बैठक की पूर्व तैयारी बैठक में समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दलहन-तिलहन के साथ मोटे किस्म के अनाज उत्पादन के क्षेत्र विस्तार को प्राथमिकता दें। साथ ही उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र विस्तार में कृषि व पशुपालन विभाग समन्वय व सहयोग के साथ कार्य करे।

कमिश्नर ने कहा कि खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार है। रीवा संभाग में सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि हो रही है जिससे खेती के और अधिक बेहतर होने की संभावनाएं हैं। खेती को आधुनिक बनाने के लिए किसानों को उन्नत तकनीक के बारे में जानकारी दें। खेती के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्यपालन से कृषकों को जोड़कर उनके आर्थिक विकास में सहभागी बनें। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में कमिश्नर ने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान में प्राप्त सुझावों को भी कार्ययोजना में शामिल करते हुए फसलवार वर्ष भर की कार्ययोजना तैयार करें। समन्वित प्रयासों से ही खेती व उससे संबद्ध अन्य गतिविधियों को शामिल कर किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सकता है।

कमिश्नर ने कहा कि किसानों को कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए जागरूक करते हुए स्प्रिंकलर के माध्यम से सिंचाई सुविधाओं के लिए प्रेरित करें। गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराकर लाई वैल्यू क्रॉप को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बोये जाने वाले रकबे के अनुरूप प्रमाणित बीज की उपलब्धता का आकलन करें। नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को प्रेरित करें तथा मिट्टी परीक्षण के अनुरूप फसल उत्पादन के लिए किसानों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि धान के स्थान पर मोटे अनाज के उत्पादन के लिए किसानों को जागरूक करते हुए इनके बाजार की उपलब्धता की भी व्यवस्था सुनिश्चित कराएं। उन्होंने ऊषा-16 अरहर किस्म के उत्पादन की सूची संकलित करने तथा पूर्ण पारदर्शिता के साथ जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बीज वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविर लगाकर किसान क्रेडिट कार्ड बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

कमिश्नर ने कहा कि संभाग में खेत तालाब व ग्रामीण तालाबों सहित सभी तालाबों को सूचीबद्ध कर 30 जून तक मत्स्यपालन विभाग को सूचना दें ताकि सभी तालाबों में मछलीपालन हो सके। उन्होंने केज कल्चर से मत्स्यपालन उत्पादन को बढ़ावा देने की बात भी कही। बैठक में कमिश्नर ने उद्यानिकी फसलों के विस्तार के लिए क्लस्टरवार कार्ययोजना बनाकर कार्य करने की बात कही तथा उद्यानिकी फसलों के क्षेत्र की गिरदावरी कराने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने कृषि उपज मण्डियों की ई मण्डी व्यवस्था तथा डेयरी विकास द्वारा दुग्ध उत्पादन के लिए किए जा रहे कार्यों का प्रस्तुतिकरण भी देखा। उन्होंने कहा कि आगामी 18 जून को आयोजित एपीसी बैठक में सभी अधिकारी पूरी तैयारी के साथ उपस्थित रहें तथा संभागन्तर्गत जिलों में किए गए नवाचार व सफलता की कहानियों का प्रस्तुतिकरण वीडियो फिल्म के माध्यम से कराएं। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्यपालन, डेयरी विकास, सहकारिता, मार्फेड सहित संबंधित विभागों के संभागीय अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण दिया। विभिन्न जिलों के कलेक्टर्स ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने विचार व सुझाव रखे तथा जानकारी प्रस्तुत की। वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों के कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने जिलेवार जानकारी का प्रस्तुतीकरण किया।

जनजाति बहुल ग्रामों में लगेंगे शिविर, हितग्राहियों को करेंगे लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 15 जून से 30 जून तक चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत रीवा और गंगेव विकासखण्ड के एक-एक, रायपुर कर्चुलियान के 4, सिरमौर के 153, जवा के 118 गांव सम्मिलित किए गए हैं। अभियान के सफल संचालन के लिए संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस संबंध में जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग कमलेश्वर सिंह ने बताया कि अभियान के तहत इन ग्रामों में शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य रक्षा, शिक्षा एवं स्वच्छ पेयजल के उपयोग के संबंध में जागरूक किया जाएगा। अभियान के दौरान मौके पर ही आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जनधन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, छात्रवृत्ति, जाति प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के आवेदन प्राप्त करके हितग्राहियों को इन योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकल सेल एनीमिया एवं अन्य रोगों के निःशुल्क जाँच की भी व्यवस्था की जाएगी। अभियान के तहत शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, कृषि विभाग तथा राजस्व विभाग सहित सभी विभागों में समन्वय से हर पात्र हितग्राही को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में लगेंगे शिविर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में 15 से 30 जून तक धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर संजय कुमार जैन बताया कि अभियान के तहत जनजाति बहुल ग्रामों में शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। अभियान में मऊगंज के 2 तथा हनुमना के 142 गावों को शामिल किया गया है। अभियान के सफल संचालन के लिए संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर ने बताया कि अभियान के तहत इन ग्रामों में शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य रक्षा, शिक्षा एवं स्वच्छ पेयजल के उपयोग के संबंध में जागरूक किया जाएगा। अभियान के दौरान मौके पर ही आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जनधन योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, छात्रवृत्ति, जाति प्रमाण पत्र, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के आवेदन प्राप्त करके हितग्राहियों को इन योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सिकल सेल एनीमिया एवं अन्य रोगों के निःशुल्क जाँच की भी व्यवस्था की जाएगी। अभियान के तहत शिविरों के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग, खाद्य विभाग, पंचायती राज विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, कृषि विभाग तथा राजस्व विभाग सहित सभी विभागों में समन्वय से हर पात्र हितग्राही को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

स्वास्थ्य मंत्री की पहल से रीवा में स्वास्थ्य कार्यक्रमों को मिली गति

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिकों के स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी सुनिश्चित करने में उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री राजेंद्र शुक्ल का मार्गदर्शन बेहद अहम रहा है। उनके नेतृत्व में जिले में व्यापक स्वास्थ्य जांच अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं, जो गंभीर बीमारियों की शुरुआती पहचान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इसी कड़ी में रीवा जिले में स्वस्थ यकृत मिशन निरंतर जारी है। इस मिशन में जन-जागरूकता और जांच अभियान के तहत अब तक 46,977 लोगों का लीवर स्वास्थ्य परीक्षण हो चुका है, जिससे हजारों नागरिकों को समय रहते अपने यकृत की स्थिति का पता चल सका है। नोडल एनसीडी कार्यक्रम डॉ. सुनील अवस्थी ने बताया कि जिले भर में कुल 24,993 पुरुषों और 21,984 महिलाओं की शारीरिक जांच की गई है। यह समुदाय में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है। जांच के दौरान, 6,449 पुरुषों की कमर की परिधि 90 सेमी और 6,626 महिलाओं की कमर की परिधि 80 सेमी से अधिक पाई गई, जो संभावित स्वास्थ्य जोखिमों का संकेत देती हैं। जांच में मिले परिणामों ने कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखे हैं। कुल 46,977 जांचों में से 9,394 व्यक्तियों में बॉडी मास इंडेक्स स्कोर 23 डीबी/एम से अधिक पाया गया, जो लीवर में वसा जमा होने की संभावना की ओर इशारा करता है। इन मामलों में तत्काल चिकित्सा परामर्श और आगे की जांच की आवश्यकता है। मिशन ने गैर-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग के लिए कुल 364 व्यक्तियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों के पास संदर्भित किया है, जिससे उन्हें सही समय पर उपचार मिल सके।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शुक्ला ने बताया कि स्वस्थ यकृत मिशन रीवा का उद्देश्य केवल जांच करना नहीं, बल्कि लोगों को लीवर स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक करना है। समय पर पहचान और उचित मार्गदर्शन से लीवर संबंधी गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। इस मिशन का लक्ष्य जिले के हर नागरिक तक पहुंच बनाना और उन्हें स्वस्थ जीवन जीने के लिए आवश्यक जानकारी और सेवाएं प्रदान करना है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल को इस महत्वपूर्ण पहल के लिए विशेष धन्यवाद दिया, जिससे इन स्वास्थ्य कार्यक्रमों को नई गति मिली है। नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग की पहचान पर विशेष जोर दिया गया है। कुल 364 व्यक्तियों को नॉन-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग के समुचित प्रबंधन के लिए आगे रेफर किया गया है।

14 जून विश्व रक्तदान दिवस पर सम्मानित हुई रक्तविभूतियां

साठ के बाद भी कम नहीं हुआ रक्तदान का जज्बा और जुनून

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अपनी आयु के साठवें वर्ष मे भी निरंतर रक्तदान कर रहे रक्तवीरों के जुनून और सेवा के जज्बे के लिए यूं तो कोई भी सम्मान कम है, तथापि विश्व रक्तदान दिवस 14 जून के अवसर सिन्धू विकास समिति द्वारा ऐसे रक्तदाताओं को रक्तविभूति सम्मान से सम्मानित किया गया।इस अवसर पर श्री मनोहरधाम दरबार के संत महंत श्री संतोखदास जी की पावन सानिध्याशीष मे डॉक्टर दीपक सोंई जी की विशेष उपस्थिति एवं संस्था संरक्षकगण सर्वश्री श्रीचंद मनवाणी,गोपी गेलानी, मनोहर डिगवानी एवं संस्था के अध्यक्ष विनोद गेलानी, महामंत्री घनश्याम मंघरानी द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत दरबार में स्थापित भगवत प्रतिमाओं के सम्मुख पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर की गई।

स्वागत उद्बोधन देते हुए संरक्षक गोपी गेलानी ने सर्वप्रथम महंत स्वामी संतोखदास जी का आशीर्वाद लिया एवं आए हुए सम्मानितगणों का स्वागत करते हुए संस्था की तीन दशकों की निरंतर सेवा, समरसता, एकता एवं विकास की भूरि प्रशंसा की . विस्तृत जानकारी देते हुए रक्त प्रेरक विनोद गेलानी ने समिति द्वारा पिछले 32 वर्षों से निरंतर सर्व समाज के लिए की जा रही रक्त की सेवा की जानकारी देते हुए बताया कि आज तक 6625 यूनिट रक्तदान एवं 18 लाख* प्लेटलेट्स डोनेट करवाया जा चुका है ,और सभी रक्तवीरों के सहयोग से यह लगातार जारी रहेगा। समय-समय पर युवाओ, छात्राओं व मातृशक्ति को रक्तदान के प्रति प्रेरित करने के लिए स्कूल कालेज में सेमिनार का आयोजन किया जाता है समय समय पर रक्तवीरों का सम्मान, मातृ शक्ति का सम्मान भी किया जाता है ।आज 60+ प्लस के रक्त वीरों का सम्मान कर संस्था गौरवान्वित है।वास्तव मे उम्र के इस दौर मे भी उनके द्वारा रक्तदान करना स्वंयमेव उन्हें रक्तविभूति बनाता है। समिति के सहयोगियों द्वारा रक्त की सेवा सिर्फ सतना में ही नहीं बल्कि देश के अनेक शहरों में प्रदान की जा रही है*

तत्पश्चात श्री सत्येन्द्र शर्मा जी ने रक्तदान पर एवं श्री दिलीप अरोरा जी अशोक वाधवानी जी एवं डॉ. मनीषा सोई जी ने रक्तदान के महत्व पर उद्बोधन देते हुए सभी की हौसलाअफजाई कीए महंत स्वामी संतोष दास जी ने संस्था द्वारा की जा रही सेवाओं की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए निरंतर सामाजिक क्षेत्र में सेवा कार्य करने का आशीर्वाद दिया

इस अवसर पर सत्येंद्र शर्मा ज्ञानचंद हासवानी दिलीप अरोरा गोपीचंद कापड़ी अशोक वाधवानी मनोज जैन इंद्रलाल कापड़ी मनोहर आरतानी विजय जग्यासी मुरलीधर सेनानी करतार करमानी जेठानंद वाधवानी नरेश डिगवानी नरेंद्र दुदानी राज कुमार रोचलानी समीर सचदेव इंद्र लाल आडवाणी जय प्रकाश शामनानी जी एवं श्रीमती सरोज सिंह व सपना अरोरा के साथ-साथ ब्लड बैंक लैब टेक्नीशियन राम भाई त्रिपाठी का शाल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया

इस अवसर पर ब्लड बैंक लैब टेक्नि रामभाई त्रिपाठी ने उपस्थित सम्माननीयगणों को शासन की गाइड लाइन अनुसार रक्तदान करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का सफल संचालन सहमंत्री दिलीप सोनी जी एवं आभार संरक्षक श्रीचंद मनवानी जी ने व्यक्त किया।कार्यक्रम के अंत में अहमदाबाद विमान हादसे के मृतकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई । इस अवसर पर राखी होतचंदानी डॉ. मनीषा सोई मोना चोपड़ा जागृति सिंह अशोक आहूजा अभयमुनि राजा ज्ञान खटवानी गंगाराम होतवानी अशोक खानेजा गंगाराम सचदेव जितेन्द्र गावरी रंजीत सेनानी हीरा सोनी संजय आहूजा बसंत खत्री राजकुमार साधवानी मनीष सद्दानी रूपचंद छुट्टानी भरत कामदार संजय वाधवानी किशोर वलेचा बंसी नागदेव श्याम मनवाणी सुधीर आहूजा केशव माखीजा अमित घोघवानी गोल्डन झा देवेन्द्र सत्यवानी सागर जसवानी एवं अनेक समाजसेवीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे

मैहर से गायब हुई नाबालिग गुजरात में मिली, दोस्ती कर किया था अपहरण

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। मैहर पुलिस ने गुरुवार को गांधीधाम गुजरात से गुमशुदा नाबालिग को बरामद कर लिया है। 30 अप्रैल को बदेरा थाने में एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री को कोई बहला-फुसलाकर ले गया है। पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर धारा 137(2) बीएनएस के तहत जांच शुरू की। बदेरा थाना प्रभारी अभिषेक सिंह परिहार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने डेढ़ महीने बाद इस मामले में सफलता हासिल की।11 जून को टीम ने नाबालिग को गांधीधाम से बरामद किया। 13 जून को उसे मैहर लाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। जांच में सामने आया कि लटागांव का 31 वर्षीय एक शादीशुदा युवक इस अपराध का आरोपी है। उसने पहले लड़की से दोस्ती की और फिर उसे गुजरात ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोपी की एक संतान भी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायालय में पेश किया है। जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर एनसीसी कैडेट्स ने किया रक्तदान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा के एनसीसी सीनियर डिवीजन कैडेट्स ने जिला चिकित्सालय में आयोजित वृहद रक्तदान शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर 5 एनसीसी कैडेट्स ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाजसेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविन्द्र नाथ तिवारी एवं कलेक्टर के निर्देशानुसार सम्पन्न हुआ। प्राचार्य डॉ. तिवारी ने इस अवसर पर कहा, *"रक्तदान एक महान कार्य है, जो न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचाता है, बल्कि युवाओं में सेवा भाव और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रोत्साहित करता है। हमें गर्व है कि हमारे महाविद्यालय के छात्र इस पुनीत कार्य में आगे बढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।" एनसीसी कैडेट्स द्वारा किया गया यह रक्तदान 'सामाजिक सेवा तथा सामुदायिक विकास' कार्यक्रम के तहत किया गया, जो कि एनसीसी प्रशिक्षण का एक महत्वपूर्ण भाग है। एनसीसी अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने भी कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स को *"रक्तदान की उपयोगिता" * विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि, "रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवीय करुणा की सबसे बड़ी मिसाल है। एक यूनिट रक्त तीन जिंदगियों को बचा सकता है।"इस अवसर पर उपस्थित सभी कैडेट्स ने नियमित रूप से समाज सेवा और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेने की प्रतिबद्धता जताई। रक्तदान करने वाले कैडेट्स को जिला अस्पताल प्रशासन द्वारा प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए गए। विश्व रक्तदाता दिवस पर इस प्रेरणादायक सहभागिता ने न केवल युवाओं को रक्तदान के प्रति जागरूक किया, बल्कि समाज में जागरूकता की नई अलख भी जगाई।

आम आदमी पार्टी ने गैंगरेप पीड़िता के पक्ष में शासन-प्रशासन से उठाये सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आज रीवा के इंडियन कॉफी हॉउस मे आम आदमी पार्टी के प्रदेश सयुंक्त सचिव प्रमोद शर्मा ने संजय गाँधी हॉस्पिटल की पीड़िता रीवा की बेटी वा उनके परिवार के साथ प्रेस वार्ता करते हुए बताया की पीड़ित परिवार परिवार के लोग मिलने आये और शासन, प्रशासन के द्वारा सत्य को बदलने की कोसिस करते हुए असहयोग, न्याय मिलने मे अवरोध पैदा करने की कोसिस की जा रही है

आगे प्रमोद शर्मा ने कहा की मै राजेन्द्र शुक्ला जी से पूछना चाहता हूँ। की यह रिश्ता क्या कहलाता है क्या कुर्सी बचाने की और रिश्ता निभाने के लिए इस तरह का खेल भांजा और एसपी मिल राजनीतिक संरक्षण के कारण हो रहा है

अगर ऐसा नहीं तो रीवा संजय गांधी अस्पताल में किशोरी से गैंगरेप मामले को छेड़छाड़ क्यों कह रहे हैं

रीवा के संजय गाँधी हॉस्पिटल के गैंगरेप केस में बड़ा सवाल यह है की क्या सफेद और खाकी वर्दी में 'रिश्तों' का गठजोड़ बचा रहा है आरोपियों को?

संजय गांधी अस्पताल में कथित गैंगरेप के मामले ने पीड़िता खुद कह रही की कई लोगो ने मिल ये दुष्कर्म किया है, लेकिन जांच की दिशा देखकर जनता का भरोसा डगमगाने लगा है। सवाल फिर ये है की एसपी विवेक सिंह और अस्पताल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा क्यों कह रहे हैं कि सिर्फ छेड़छाड़ हुई है?

इस विरोधाभासी बयानबाजी ने पूरे मामले को संदेह के घेरे में ला दिया है। लोगो मे चर्चा इस बात की भी है कि क्या डॉ. राहुल मिश्रा और एसपी विवेक सिंह के बीच कोई पारिवारिक या राजनीतिक 'रिश्ता' है जो आरोपियों के लिए 'बचाव कवच' बनता जा रहा है?

पीड़िता के परिवार का कहना था की घटना सामने आने के बाद सबसे पहले संजय गांधी अस्पताल के गायनिक विभाग की डॉक्टर्स ने अधीक्षक को सूचना दी थी कि लड़की ने शारीरिक शोषण की बात कही है। लेकिन जैसे-जैसे मामला ऊपर तक पहुंचा, बयान बदलते गए।

पीड़िता ने आज फिर प्रेस वर्तमान कर कहा कि उसके साथ बलात्कार हुआ, लेकिन रीवा एसपी विवेक सिंह और संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा रिपोर्ट में इसे 'छेड़छाड़' की कैटेगरी में डालकर आरोपियों को राहत देने की कोशिशें की जा रही हैं।

पीड़िता के भाई ने कहा की रीवा एसपी विवेक सिंह और संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा क्यों दे रहे आरोपियों को क्लीन चिट?

मामले की गंभीरता को समझे बिना जिला एसपी के अधीक्षक ऐसे बयान दे रहे हैं जो न सिर्फ पीड़िता के जख्मों पर नमक हैं, बल्कि कानून की साख पर भी सवाल खड़े करते हैं।

रीवा के समाजसेवी संगठनों और जनता का साफ सवाल है

सवाल यह है की अधिकारी किसी रसूखदार को बचा रहे हैं?

क्या राजनीति के दबाव में कानून को मोड़ा जा रहा है?

आखिर जांच की दिशा को क्यों भटका रहे हैं जिम्मेदार?

रीवा जिले में यह पहला मौका नहीं है जब राजनीतिक संरक्षण में अपराधों को दबाने की कोशिश हुई हो। लेकिन इस बार मामला नाबालिग लड़की की अस्मिता का है। अगर ऐसे मामलों में भी अधिकारी पक्षपात करें तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा?

अब समय आ गया है कि जनता जागे और सच को पहचानें। यह सिर्फ एक लड़की की लड़ाई नहीं, बल्कि पूरे समाज के भविष्य की लड़ाई है।

पुलिस प्रशासन और मेडिकल विभाग को स्पष्ट करना होगा कि किस आधार पर बलात्कार को सिर्फ छेड़छाड़ बताया गया? जांच पारदर्शी और निष्पक्ष होनी चाहिए, नहीं तो आगे इसके अनेको दुष्परिणाम होंगे

प्रमोद शर्मा ने पीड़िता और परिवार के साथ प्रेस वार्ता मे कहा की जनता का सवाल सीधा है–जब जांच की जिम्मेदारी उन्हीं अफसरों के हाथ में है, जिनकी भूमिका पर उंगलियां उठ रही हैं, तो फिर सच कैसे सामने आएगा?

प्रमोद शर्मा ने कहा की एसपी विवेक सिंह और संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा को तत्काल हटाया जाये तभी पीड़िता को न्याय मिल पायेगा

इस पूरे घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि जांच की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए इन दोनों अधिकारियों को तत्काल हटाना चाहिए। तभी जांच में पारदर्शिता आएगी और पीड़िता को न्याय मिल पाएगा।

यह मामला केवल एक किशोरी का नहीं, बल्कि प्रदेश की हर बेटी की सुरक्षा से जुड़ा है। अगर ऐसे मामलों में लीपापोती होती रही, तो आम जनता का भरोसा प्रशासन और कानून दोनों से उठ जाएगा।

प्रमोद शर्मा ने कहा की उपमुख्यमंत्री ने जरूर निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया है, लेकिन यह तब तक सिर्फ एक राजनीतिक बयान ही रहेगा जब तक जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही नहीं दिखाई देती।

रीवा की जनता, और रीवा की बेटी किशोरी, अब सिर्फ बयान नहीं, न्याय चाहती है।

मुख्य विपक्ष कांग्रेस पार्टी को भी अपनी आवाज उठाना चाहिए की अब जांच में निष्पक्षता और सुनिश्चित हो रीवा एसपी विवेक सिंह और संजय गांधी अस्पताल के अधीक्षक डॉ राहुल मिश्रा को हटाने के लिए अपना योगदान दे कांग्रेस पार्टी तभी न्याय संभव होगा पीड़िता के लिए।।

विचार

सोशल मीडिया बच्चों को हिंसक एवं बीमार बना रहा है

सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से बच्चों का बचपन न केवल प्रभावित हो रहा है, बल्कि बीमार, हिंसक एवं आपराधिक भी हो रहा है। यह चिंताजनक एवं चुनौतीपूर्ण है। यह बच्चों को समय के प्रति, परिवार एव सामाजिक कौशल के प्रति और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है। सोशल मीडिया ने बच्चों से बाल-सुलभ क्रीड़ाएं ही नहीं छीनी बल्कि दादी-नानी की कहानियों से भी वंचित कर दिया है। कुछ विशेषज्ञ इस बात से चिंतित हैं कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बच्चे अनैतिक, उग्र, जिद्दी एवं आक्रामक भी हो रहे हैं, जो उन्हें चिंता और अवसाद में धकेल रहे हैं। बच्चें सोशल मीडिया पर वक्त ज्यादा गुजार रहे हैं, ऑनलाइन गेम्स ने बच्चों की दुनिया ही बदल दी है। अब ये आवाज उठने लगी है कि क्यों न बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग को प्रतिबंधित कर देना चाहिए? टेन के हार्परकॉलिन्स और नीलसन आईक्यू की एक अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट में ऐसे ही चिन्ताजक तथ्य सामने आये हैं कि बड़ी संख्या में युवा माता-पिता कहानियों की बजाय डिजिटल मनोरंजन को प्राथमिकता दे रहे हैं। पंचतंत्र से लेकर स्नो व्हाइट पिनोकियो जैसी कहानियां अब शेल्फ पर धूल फांक रही हैं। नये बन रहे समाज एवं परिवार में सोशल मीडिया जहर घोल रहा है।

स्मार्टफोन बड़ों ही नहीं, बच्चों के हाथ में आ गया है। जवान और बूढ़े ही नहीं छोटे-छोटे बच्चे तक इसके आदी होते जा रहे हैं। व्हाट्सएप, फेसबुक, गेम्स सब कुछ स्मार्टफोन पर होने की वजह से बच्चों और युवाओं में इसकी आदत अब धीरे-धीरे लत में तब्दील होती जा रही है। सोने के समय बच्चों को कहानियां सुनाना या उनके लिए लोरियां गाना कभी पारिवारिक संस्कृति का अहम हिस्सा हुआ करता था। दादी-नानी हों या माता-पिता की सुनाई गई परीकथाएं बच्चों के लिए नींद से पहले की सबसे प्यारी यादें होती थीं। लेकिन अब सोशल मीडिया के आने से इसके बिना बचपन सूना हो रहा है। बच्चे किताबों और खेलकूद के मैदानों से दूर हो रहे हैं। स्क्रीन की नीली रोशनी उनकी आंखों के साथ दिमागी सेहत पर भी बुरा असर डाल रही है। इसके अलावा शारीरिक श्रम एवं रचनात्मकता भी कम हो गई है। यह केवल पश्चिमी देशों की ही नहीं, भारत की भी सच्चाई बन चुकी है। जेन जेड यानी 1996 से 2010 के बीच जन्मे युवा माता-पिता अब इस प्यारी परंपरा से मुंह मोड़ रहे हैं। हालिया शोधों से पता चला है कि अब कहानियां पढ़ना-सुनाना जेन जेड माता-पिता के लिए जिम्मेदारी एवं मनोरंजन नहीं बल्कि एक थकाऊ काम बन गया है। मोबाइल अब केवल बच्चों के लिए ही समस्या नहीं है, बल्कि बड़े भी इसकी चपेट में हैं। यह सिर्फ फोन या मैसेज करने तक ही सीमित नहीं रहा है। ना जाने कितने ही तरह के ऐप्स, व्हाट्सएप, फेसबुक जैसी सोशल मीडिया एप, और गेम्स बड़ो एवं बच्चों को दिन भर व्यस्त रखते हैं। लेकिन अगर मोबाइल के बिना आपको बेचैनी होती है तो समझ जाइये कि आप भी इस एडिक्शन के शिकार होते जा रहे हैं जो आपके लिए चिन्ता की बात है। टेन के हार्परकॉलिन्स और नीलसन आईक्यू की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में खासकर महानगरों और शहरी इलाकों में सोशल मीडिया का बच्चों में प्रचलन अधिक बढ़ रहा है। पढ़ने को मनोरंजन एवं ज्ञान का हिस्सा मानने की बजाय 'गंभीर पढ़ाई' से जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक नई पीढ़ी के अभिभावकों को लगता है कि बच्चों को कहानी सुनाना एक अतिरिक्त जिम्मेदारी है।

आखिरकार इजरायल द्वारा ईरान पर रणनीतिक हमला किए जाने के वैश्विक मायनों को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

लीजिए एक और युद्ध का आगाज हो गया। इससे हथियार निर्माता कपनियों की बाछें पुनः खिल गई। कहते हैं कि मरता या नहीं करता? आखिरकार बीस दांतों के बीच घिरी जिह्वा की तरह मुस्लिम देशों से घिरे एकमात्र यहूदी मुल्क इजरायल ने अपने रणनीतिक हिफाजत के लिए मुस्लिम वर्ल्ड के सरगना देश ईरान पर निर्णायक हमला बोल दिया है, ताकि उसके परमाणु कार्यक्रमों पर ब्रेक लगाकर संभावित परमाणु हमलों से इजरायल के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। समझा जाता है कि ईरान की बार-बार की बन्दरघुड़की का इजरायल ने करारा जवाब दिया है। इस्राइल ने ईरान के %परमाणु कार्यक्रम ठिकानों% पर अचानक हमला करके न केवल सबको चौंका दिया है बल्कि इस पूरे क्षेत्र को एक बार फिर से अनिश्चितता के जद्दोजहद में धकेल दिया है। इससे महंगाई और बर्बादी दोनों बढ़ेगी। वहीं, गुटीय युद्ध से बचने के लिए अमेरिका ने तत्काल यह साफ किया है कि इस कार्रवाई में वह शामिल नहीं है। वहीं, अब यह भी लगभग तय माना जा रहा है कि रूस और चीन की रजामंदी के बाद ईरान भी पुरजोर जवाबी कार्रवाई करेगा। इससे तीसरा विश्वयुद्ध भी भड़क सकता है।

दरअसल, इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। यह हमला भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ छेड़े गए ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई जैसा है, लेकिन अपने दृढ़ संदेश में ऑपरेशन राइजिंग लायन एक मजबूत संदेश देता है, जिससे इस्लामिक देशों की चूलें हिल चुकी हैं।

वहीं, ईरान ने भी यह माना है कि इन हमलों में उसके कम से कम छह परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉप्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। इससे ईरान ने जवाबी कार्रवाई का इरादा भी जता दिया है।

वहीं, इस्राइली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13त्न बढ़ गई। जबकि कुछ शेयर बाजार रॉकेट की तरह भागे, और कुछ धराशायी हो गए।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस्राइल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। क्योंकि उसका यह कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह 15 परमाणु बम बना सकता था। जो इजरायल के खिलाफ ही उपयोग होता। ऐसे में उसने निर्णायक हमले किए। यह बात दीगर है कि इस्राइल के इन आरोपों की स्वतंत्र तौर पर पुष्टि नहीं हुई है। वहीं यह बात भी सत्य है कि इस मसले पर अमेरिका से ईरान की बातचीत चल रही थी। 15 जून रविवार को भी दोनों पक्षों में अगले दौर की वार्ता होनी थी। ऐसे में इस्राइल की अचानक की गई इस कार्रवाई के बाद सभी पक्षों की नजरें इस पर टिक गई हैं कि आगे घटनाक्रम कैसा रूप लेता है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि ईरान की जवाबी कार्रवाई का स्वरूप कैसा और उसका दायरा कितना बड़ा होता है। क्या वह खुद को इस्राइल के खिलाफ सांकेतिक कार्रवाई तक सीमित रखता है या फिर अमेरिकी दूतावासों व अन्य ठिकानों को भी अपनी जद में लेता है या होरमुज की खाड़ी से गुजरते जहाजों को भी निशाना बनाता है जहां से 21त्न ग्लोबल तेल की सप्लाई होती है।

गौरतलब है कि इजरायली हमले के बाद वहां के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल ने ईरान की मुख्य संवर्धन सुविधा, परमाणु विज्ञानियों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को निशाना बनाया। उन्होंने ईरान पर हमले के बाद यह साफ कर दिया कि ऑपरेशन राइजिंग लॉयन अभी खत्म नहीं हुआ है। इजरायली हमले में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के प्रमुख हुसैन सलामी के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि ईरान पर हुए इजरायली हमलों में अमेरिका शामिल नहीं है। साथ ही उन्होंने तेहरान को अमेरिकी हितों और कर्मियों को निशाना बनाने के खिलाफ चेतावनी दी। जबकि इजरायली रक्षा अधिकारी ने दावा किया कि हमलों में ईरान के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल मोहम्मद बाघेरी और उनके कई शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे जा चुके हैं।

ईरान पर इजरायली हमले के बाद अमेरिका ने एक आपात बैठक बुलाई। डोनाल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में यह बैठक हुई। इसमें अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए आगे की एहतियाती रणनीति तय की गई। चूंकि तेहरान में हुए धमाकों के बाद इराक और ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। इससे वैश्विक वायुयान सेवाओं पर भी असर पड़ना लाजिमी है।

वहीं, इजरायल ने ईरान में हमले के बाद देशभर में इमरजेंसी लागू की। इसके अलावा इस्राइल ने दुनिया भर में अपने दूतावास बंद करने का एलान किया है। साथ ही इस्राइल ने अपने नागरिकों से सतर्क रहने और सार्वजनिक स्थानों पर यहूदी या इस्राइली प्रतीक न दिखाने की अपील की है।

मालूम हो कि विगत कई दशकों से गाजा पट्टी में इजरायल के खिलाफ संघर्षरत फिलिस्तीनियों और हमास के आतंकियों को जहां ईरान, सीरिया, जॉर्डन आदि मुस्लिम देश खुला समर्थन दे रहे हैं, वहीं पाकिस्तान-तुर्किये-अजरबैजान जैसे कुख्यात मुस्लिम देश भी उन आतंकियों को गुप्त शह प्रदान कर रहे हैं। लिहाजा इजरायल ने अब तय कर लिया है कि उसके खिलाफ षड्यंत्र में शामिल मुस्लिम देशों को अब बारी-बारी से भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

शायद इसलिए इजरायल ने अब ऐसे मुल्कों की जड़ों पर ही हमला बोलने का निश्चय किया है, जिसकी खौंफनाक शुरुआत भी कर दी है। जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

जानकारों की मानें तो पहाड़ों में भी ईरान के परमाणु ठिकाने हैं, जिसे अमेरिकी मदद के बिना इजरायल खत्म नहीं कर पाएगा। उनका कहना है कि इजरायल सिर्फ ईरानी

परमाणु ठिकाने को ही नहीं, बल्कि उसकी खुमैनी सरकार को भी हटाना चाहता है। इसलिए इतना खतरनाक हालात पैदा किए हुए है। जाहिर है कि बिना अमेरिका, यूरोप व एशिया के नाटो देशों के इशारे के वह ऐसी हिमाकत कदापि नहीं कर सकता है।

वहीं, हमले के बाद आईडीएफ ने कहा कि ईरान लगातार इजरायल के खिलाफ प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है और अपने प्रॉक्सी गुटों के जरिए क्षेत्र में अस्थिरता फैला रहा है। इससे साफ है कि देर सबेर वह दूसरे मुस्लिम सरगना देश तुर्किये और तीसरे इस्लामिक आतंकवादी सरगना देश पाकिस्तान के ऊपर भी हमला अवश्य करेगा। फिलवक्त चूंकि पाकिस्तान व तुर्किये अमेरिका के सरपरस्त देश हैं, इसलिए इनकी बारी कब आएगी, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। सिर्फ वक्त का इंतजार करना ही श्रेयस्कर होगा।

इस प्रकार देखा जाए तो इजरायल-ईरान विवाद से जुड़े इस पूरे मसले पर वर्ल्ड इस्लामिक काउंसिल (ओआईसी) के लगभग 56 मुस्लिम सदस्य देश भी आपस में विभाजित हैं, क्योंकि जो अमेरिका के सरपरस्त हैं, वो चुप्पी साधे बैठे हैं। वहीं जो रूस-चीन-उत्तर कोरिया के समर्थक हैं, वो ईरान के पक्ष में एकजुट हो सकते हैं। चूंकि अमेरिका ने बड़ी सफाई से खुद को अलग कर लिया है, इसलिए अब यह रूस-चीन के ऊपर है कि वो खुलकर मैदान में आएंगे या नहीं। जबकि गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह इजरायल-ईरान युद्ध में भी अपनी तटस्थता बरकरार रखी है।

केंद्र सरकार के उपक्रम बन रहे कमाऊ पूत

प्रह्लाद सबनानी

आज से एक दशक से अधिक समय पूर्व तक केंद्र सरकार के उपक्रमों को चलायमान बनाए रखने के लिए केंद्रीय बजट में भारी भरकम राशि का प्रावधान करना पड़ता था तथा इन उपक्रमों को केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। परंतु, आज स्थिति एकदम बदल गई है एवं अब केंद्र सरकार के उपक्रम केंद्र सरकार को लाभांश के रूप में भारी भरकम राशि प्रदान कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों में यह आमूलचूल परिवर्तन केंद्र में ईमानदार सरकार एवं केंद्र सरकार द्वारा निगमित अभिशासन से सम्बंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन कराए जाने के चलते ही सम्भव हो सका है। पूर्व में इन उपक्रमों में पनप रहे भ्रष्टाचार के चलते इन उपक्रमों की लाभप्रदता पर विपरीत प्रभाव पड़ता था परंतु अब उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर लगभग पूर्णत- अंकुश लगाया जा चुका है। साथ ही, केंद्र सरकार के इन उपक्रमों को नेतृत्व प्रदान कर रहे अधिकारियों पर भी बहुत कुछ निर्भर करता रहा है। केंद्र सरकार के इन उपक्रमों में आज का नेतृत्व कुशल, ईमानदार एवं देश प्रथम की नीति पर चलने के साथ ही देश के प्रति सम्मान का भाव रखने वाला है।

वित्तीय वर्ष 2024 में केंद्र सरकार के विभिन्न उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। प्रथम स्थान पर भारतीय स्टेट बैंक है, जिसने 67,085 करोड़ रुपए का लाभ अर्जित किया है। इसके बाद ओएनजीसी ने 49,221 करोड़ रुपए, आईओसी ने 41,730 करोड़ रुपए, भारतीय जीवन बीमा निगम ने 40,916

करोड़ रुपए, भारतीय कोयला निगम ने 37,402 करोड़ रुपए, बीपीसीएल ने 26,859 करोड़ रुपए, एनटीपीसी ने 20,812 करोड़ रुपए, बैंक आफ बड़ोदा ने 18,767 करोड़ रुपए, हिन्दुस्तान पेट्रोलीयम ने 16,015 करोड़ रुपए एवं पावर फाइनैन्स करपोरेशन ने 15,889 करोड़ रुपए की राशि का लाभ अर्जित किया है। इसके अतिरिक्त, पावर ग्रिड, कनारा बैंक, आरईसी लिमिटेड एवं यूनियन बैंक, ने 10,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित किया है। साथ ही, गैस अथॉरिटी इंडिया लिमिटेड, पंजाब नेशनल बैंक, इंडीयन बैंक, जैसे केंद्र सरकार के 42 अन्य उपक्रमों ने भी भारी भरकम राशि का लाभ अर्जित किया है।

केंद्र सरकार के उपक्रमों के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक, जो भारत में एक स्वायत्त संस्था के रूप में कार्य करता है एवं इस पर केंद्र सरकार का नियंत्रण लगभग नहीं के बराबर रहता है, ने भी पूरे विश्व के कई बड़े केंद्रीय बैंकों के बीच सबसे अधिक राशि का लाभ अर्जित किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व को वर्ष 2024 में 7,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा है, इसी प्रकार ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक, बैंक आफ इंग्लैंड को 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है तथा यूरोपीयन यूनियन के केंद्रीय बैंक, ईसीबी को 900 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ है।

वहीं, इन केंद्रीय बैंकों की तुलना में भारतीय रिजर्व बैंक को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 3,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का लाभ हुआ है। जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को इस वर्ष 2.70 लाख करोड़ रुपए की राशि का लाभांश अदा करने की घोषणा की है। विभिन्न केंद्र सरकार के उपक्रमों ने भी इस वर्ष केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश अदा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक एवं केंद्र सरकार के उपक्रमों से प्राप्त होने वाली कुल लाभांश की राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजट में किए गए प्रावधान की राशि से कहीं अधिक है।

इसी प्रकार, केंद्र सरकार को प्रत्येक माह प्राप्त होने वाली वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की राशि भी अब मासिक औसत के रूप से 2 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। अप्रेल 2025 माह में तो केंद्र सरकार को रिकार्ड 2.36 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व वस्तु एवं सेवा कर की मद से प्राप्त हुआ था। इसी प्रकार, मई 2025 में 2.01 लाख करोड़ रुपए की राशि का राजस्व जीएसटी मद से प्राप्त हुआ है। देश में प्रत्यक्ष कर (आय कर एवं कारपोरेट कर सहित) के रूप में प्राप्त राशि अप्रत्यक्ष कर के रूप में प्राप्त राशि से कहीं अधिक रही है। देश के आम नागरिकों के हित में यह बहुत अच्छा कार्य हुआ है क्योंकि प्रत्यक्ष कर उन नागरिकों से प्राप्त किया जाता है जो इस कर को अदा कर सकने की क्षमता एवं योग्यता रखते हैं अर्थात उनकी आय कर देने योग्य आय के स्तर से ऊपर रहती है जबकि अप्रत्यक्ष कर समाज के प्रत्येक वर्ग पर सामान्य रूप से एक जैसा लगाया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में 22.26 लाख करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष कर के रूप में केंद्र सरकार को प्राप्त हुई थी जो वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्राप्त 19.60 लाख करोड़ रुपए की राशि से 13.57 प्रतिशत अधिक है। वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अप्रत्यक्ष कर (जिसमें वस्तु एवं सेवा कर, केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क शामिल हैं) के रूप में प्राप्त राशि का लक्ष्य 16.33 लाख करोड़ रुपए का निर्धारित किया गया था।

विश्व रक्तदाता दिवस पर क्षेत्रीय अस्पताल कुरासिया में रक्तदान शिविर का आयोजन

'रक्तदाताओं को केवल डोनर नहीं, जीवनदाता कहना चाहिये'

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। आज विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय अस्पताल कुरासिया परिसर में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अशोक कुमार, महाप्रबंधक, चिरमिरी क्षेत्र रहे। कार्यक्रम में जीएम ऑपरेशन श्री कुमार सौरभ विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस भव्य आयोजन का मार्गदर्शन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. बिराजी के नेतृत्व में हुआ।

कार्यक्रम का मंच संचालन व प्रबंधन डॉ. राहुल तिवारी, उप अधीक्षक चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी सब-एरिया प्रबंधकगण, क्षेत्रीय चिकित्सालय के समस्त डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ, पेरामेडिकल स्टाफ, पार्षदगण, जनप्रतिनिधि, प्रबुद्धजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि श्री अशोक कुमार ने इस अवसर पर कहा कि "रक्त समूह की खोज करने वाले लैंडस्टीनर ने विज्ञान को नई दिशा दी। रक्तदाताओं को केवल डोनर नहीं, जीवनदाता कहा जाना चाहिए।"

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बिराजी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक कर्तव्य नहीं बल्कि मानवता की सेवा है।

डॉ. राहुल तिवारी ने कहा, "आपदा चाहे वैश्विक हो, राष्ट्रीय हो या स्थानीय – सबसे पहले जिस वस्तु की आपूर्ति सुनिश्चित की जाती है वह है रक्त। चाहे वो पहलगाम का हमला हो या विमान दुर्घटनाएँ, हर बार सरकार, सेना और संगठन सबसे पहले रक्त की उपलब्धता को प्राथमिकता देते हैं। 'रक्त' एक छोटा शब्द हो सकता है, लेकिन इसका प्रभाव व्यापक और जीवनदायिनी होता है।"

इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय चिकित्सालय के फार्मासिस्ट श्री शरद दुबे जी का भी विशेष प्रतिनिधित्व और सहयोग रहा।

कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया एवं उपस्थित जनसमुदाय ने रक्तदान की महत्ता को समझते हुए इसे नियमित अभ्यास में लाने की शपथ ली।

छत्तीसगढ़ में बंद हुई चरण पादुका योजना फिर होगी शुरू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में बंद हुई चरण पादुका योजना फिर से शुरू होगी। सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि बहुत जल्द मोदी की एक और गारंटी पूरी होगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पिछले 16-17 महीने में मोदी की गारंटी के तहत छत्तीसगढ़ की जनता से हमारी सरकार ने जो भी वादे किए गए थे, उसे पूरा किया गया है। उसमें से एक और वादा चरण पादुका योजना पूरा होने जा रहा है।

गर्मी के दिनों में तेंदूपत्ता तोड़ने लोग जंगलों में जाते हैं, उनके पैरों में जूते-चप्पल भी नहीं होते हैं। जिसके कारण कई बार वे घटना के शिकार भी हो जाते हैं। इससे बचने के लिए हमारी सरकार ने चरण पादुका योजना की शुरुआत की थी, लेकिन बीच में कांग्रेस की सरकार में इसे बंद कर दिया था। अब उसे फिर से शुरू कर रहे हैं।

सरकार द्वारा फिर से इस योजना को शुरू करने को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि चरण पादुका योजना भारतीय जनता पार्टी की सबसे पसंदीदा योजना बन गई है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि तेंदूपत्ता तोड़ने वाले गरीब आदिवासियों को जो जूता बांटा जाता है उसमें विभाग और सरकार को तगड़ा कमीशन मिलता है।

यह देखा गया है कि गरीब आदिवासियों को जूता दिया जाता है, उसमें एक पैर में 8 नंबर का जूता तो दूसरे पैर में 9 नंबर का जूता मिलता है। प्रदेश में 15 साल में हमने कमीशन का खेल देखा है। जब हमारी सरकार आई तो हम लोगों ने इस योजना को सीधा बंद कर दिया था और बोनस के रूप में हितग्राहियों के खाते में बोनस के रूप में पैसा दिया गया।

दीपक बैज ने कहा कि सरकार ने कमीशन खाने के लिए फिर इस योजना को शुरू कर रही है। इसका मतलब कुल मिलकर आदिवासियों के नाम से एक मोटी गाढ़ी कमाई को लूटने का जरिया इस सरकार ने बना लिया है और उसके लिए फिर से नई दुकान खोल दी है।

7वीं की छात्रा ने बाथरूम में बच्चे को दिया जन्म

मां-बेटी ने दंतेवाड़ा के सरकारी-अस्पताल के टॉयलेट में डाला, डूबने से नवजात की मौत

मीडिया ऑडीटर, दंतेवाड़ा (निप्र)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के कटेकल्याण अस्पताल के बाथरूम में 7वीं की छात्रा ने नवजात बच्चे को जन्म दिया है। प्रसव के बाद नवजात को मारने के लिए मां-बेटी ने बाथरूम के इंडियन टॉयलेट सीट में डाल दिया। सीट में फंसने और पानी में डूबे रहने से मौत हो गई।

मिली जानकारी के मुताबिक 12 साल की बच्ची कटेकल्याण ब्लॉक की रहने वाली है। लड़की ने 8 से 9 महीने के बच्चे को जन्म दिया है, लेकिन मां के साथ मिलकर बच्चे को मरने के लिए बाथरूम सीट में डालकर चली गई। बाथरूम से निकलते वक्त कैमरे में कैद हुए हैं।

प्रसव के बाद नवजात को मारने के लिए मां-बेटी ने बाथरूम के इंडियन टॉयलेट सीट में डाल दिया, जहां वो फंसा रह गया। जिससे मौत हो गई।

प्रसव के बाद नवजात को मारने के लिए मां-बेटी ने बाथरूम के इंडियन टॉयलेट सीट में डाल दिया, जहां वो फंसा रह गया। जिससे मौत हो गई। दोनों मां-बेटी बाथरूम से निकल गए। वहीं बच्चे को जन्म देने के बाद लड़की की हालत बिगड़ने लगी। उसे तत्काल जिला अस्पताल रेफर किया गया।

कैसे पता चला नवजात के बारे में: बताया जा रहा है कि अस्पताल में मौजूद कुछ मरीज बाथरूम गए। इस दौरान उन्होंने टॉयलेट सीट में नवजात का शव देखा। इसकी जानकारी अस्पताल के लोगों को दी। नवजात के शव को बाहर निकाला गया। इसके बाद डॉक्टर्स ने अस्पताल में लगे फुटेज खंगाले, जिसमें मां-बेटी बाथरूम से बाहर निकलते नजर आए।

करीब 8 से 9 महीने का था नवजात: दंतेवाड़ा CMHO अजय रामटेके ने बताया कि शव को देखकर लग रहा है कि नवजात करीब 8 से 9 महीने का था। नवजात के शव का पोस्टमॉर्टम भी हो गया है। छह जांच बाकी है। बच्ची अभी जिला अस्पताल में भर्ती है। पुलिस को भी जानकारी दी गई है। फिलहाल, मामले की जांच की जा रही है।

बच्ची कैसे हुई गर्भवती ? दंतेवाड़ा SP गौरव राय ने कहा कि, यह पॉस्को का भी मामला है। पुलिस की जांच जारी है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। बच्ची की उम्र महज 12 साल है। वो गर्भवती कैसे हुई, उसका रेप कहां हुआ ? फिलहाल इन सभी सवालों के जवाब पुलिस खंगाल रही है।

ग्राम पंचायत पाराडोल में आयोजित ग्राम जल जागरूकता अभियान की ग्राम सभा संपन्न

पाराडोल के ग्रामीणों ने लिया जल संरक्षण करने का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पाराडोल में विगत 13 जून को जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित ग्राम जल जागरूकता अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस सभा का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल, जल संरक्षण और जल स्रोतों की सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा करना रहा। कार्यक्रम का संचालन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंता ओंकार सिंह, सहायक अभियंता ए.एस. सिदार एवं उप अभियंता मनमोहन सिंह के निर्देशानुसार किया गया। इस अवसर पर जिला परियोजना समन्वयक (मॉनिटरिंग) अनिमेष कुमार तिवारी और ढ्ढश्रष्ट विशेषज्ञ नवीन कुमार ने अभियान से संबंधित विस्तृत जानकारी ग्रामीणों से साझा की। सभा में उपस्थित अधिकारियों ने ग्रामवासियों को जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांव में अब तक की गई प्रगति की जानकारी दी, साथ ही "हर घर नल से जल" योजना की स्थिति की समीक्षा की गई। जल गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया, सुरक्षित पेयजल के लाभ और उसे अपनाने की विधियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों के संरक्षण और जल अपव्यय को रोकने के विषय पर विशेष बल दिया गया। ग्रामीणों को जल संवाद तंत्र की जानकारी दी गई जिससे वे भविष्य में जल संबंधी शिकायतों का समाधान पा सकें। ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों, जल बहनी और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक इस सभा में भाग लिया। सभी उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से जल संरक्षण का संकल्प लिया और यह दृढ़ निश्चय व्यक्त किया कि वे जल का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। यह ग्राम सभा शांतिपूर्ण, जागरूकतापूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।

रायपुर में बांग्लादेशी पति-पत्नी अरेस्ट, 4 पासपोर्ट जब्त

16 साल से अंडा-बिरयानी का लगा रहे थे ठेला, 35 की उम्र में बनवाई 8वीं की मार्कशीट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर पुलिस ने बांग्लादेशी पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। रायपुर में पिछले 16 साल से चोरी छिपे रह रहे थे। इनकी एक 14 साल की बेटी भी है। पति-पत्नी अंडा-बिरयानी का ठेला लगाते थे। पुलिस ने फर्जी दस्तावेज भी बरामद किए हैं। मामला टिकरापारा थाने के धरमनगर इलाके का है।

जानकारी के अनुसार, आरोपियों में मो. दिलावर खान (49) उसकी पत्नी परवीन बेगम (45) और एक नाबालिग बेटी भी शामिल है। पूछताछ में पता चला कि यह परिवार बांग्लादेश के मुख्तारपुर थाना, मुंशीगंज का मूल निवासी है। भारत में रहने के लिए फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए थे। इनमें 4 पासपोर्ट भी हैं।

दरअसल, रायपुर पुलिस की टीम अलग-अलग इलाकों में बांग्लादेशी और अन्य अवैध विदेशी नागरिकों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चला रही है। इसी दौरान पुलिस को मो. दिलावर खान पर शक हुआ। पुलिस ने दिलावर खान से डॉक्यूमेंट्स की मांग की।

इस दौरान पुलिस को दस्तावेजों में कई गड़बड़ियां मिलीं। दिलावर ने 35 साल की उम्र में खुद के लिए आठवीं कक्षा की मार्कशीट बनवाई थी। इसी मार्कशीट के आधार पर पुलिस को शक हुआ कि 35 साल की उम्र में कोई कैसे आठवीं कक्षा में पढ़ सकता है।

पुलिस ने मो. दिलावर खान से पूछताछ की। साथ ही दिलावर के घर की तलाशी ली। इस दौरान पुलिस को 4 पासपोर्ट मिले हैं, जिसमें 2 पासपोर्ट पति-पत्नी के हैं। वहीं 2 पासपोर्ट उसकी बेटी के हैं, जिसमें एक पुराना है, वहीं दूसरा अपडेटेड है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी ने अपने मोबाइल नंबर से कई बार बांग्लादेश के अलग-अलग नंबरों पर बातचीत की है, जिसमें एक नंबर बांग्लादेश में रहने वाली उसकी बहन का है। हालांकि पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इनका संपर्क किसी संदिग्ध नेटवर्क या गुट से तो नहीं है।

दिलावर 16 साल में 4 बार भारत से बांग्लादेश आना-जाना कर चुका है। सबसे पहले वह बंगाल के बनगांव बॉर्डर से अकेले आया था। यहां साल भर रहने के बाद उसने अपनी पत्नी और बेटी को भी यहां बुला लिया।पुलिस ने पूछताछ में पाया कि आरोपी भारत के नागपुर, मुंबई फिर रायपुर जैसा शहरों में निवास किया है।

पुलिस के मुताबिक, दिलावर शुरुआत में अपने लिए उपयुक्त जगह की तलाश कर रहा था। इसके बाद वह पचपेड़ी नाका के धरमनगर इलाके में शिफ्ट हो गया। यहां भी वह कई अलग-अलग मकानों में किराए पर रह चुका है।

रीवा/सतना की खबरें

भारत विकास परिषद की प्रांतीय कार्यशाला आज स्टार होटल में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत विकास परिषद विन्ध्यप्रान्त की प्रांतीय परिषद की कार्यशाला एवं दायित्व ग्रहण का कार्यक्रम 15 जून 2025(रविवार) को झिरिया पुल के पास स्थित ''होटल स्टार'' में प्रातःकाल 9.30 बजे से सायंकाल 5.00 बजे तक दो सत्रो में रीवा शाखा द्वारा आयोजित किया गया है। कार्यशाला में रीजनल सेक्रेटरी सम्पर्क डॉ. शेखर जैन, रीजनल अंकेक्षक सी.ए. सत्यम केशरवानी, प्रान्तीय संरक्षक राकेश अग्रवाल, प्रान्तीय अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र तिवारी तथा प्रांतीय महासचिव योगेश जैन का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। उक्त कार्यशाला में प्रांत में निवासरत रीजनल पदाधिकारी, प्रांतीय पदाधिकारीगण तथा विन्ध्यप्रान्त की छतरपुर, पन्ना, सतना, कटनी, मैहर, रीवा, सिंगरौली, सीधी, शहडोल, अनूपपुर, बुढ़ार, कोतमा,मऊगंज तथा व्यौहारी, शाखा के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संस्कार, सेवा, सम्पर्क, पर्यावरण एवं महिला संयोजक अपेक्षित है। उक्त आशय की जानकारी भारत विकास परिषद रीवा शाखा के अध्यक्ष कमल सूरी, सचिव राजेन्द्र ताम्रकार तथा कार्यक्रम संयोजक राजेन्द्र सिंह बघेल ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में देते हुए सभी संबंधितजनों से समय पर बैठक में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

जिला पंचायत सीईओ ने किया पैड बैंक का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत वार्षिक कार्य योजना के प्रावधान अनुसार एवं कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के निर्देशन में सतना जिले में जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय में संचालित सशक्त वाहिनी अभियान की निःशुल्क कक्षा में अध्ययन करने वाली बेटियों के लिए पैड बैंक स्थापित किया गया है। जिसका शुभारंभ शनिवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संजना जैन द्वारा किया गया। कार्यक्र म में सीईओ जिला पंचायत संजना जैन द्वारा बेटियों को माहवारी स्वच्छता तथा पोषण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी तथा बेटियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए उन्हें शिक्षा के साथ खेलकूद में भी आगे रहने की सलाह दी गई। साथ ही इस कार्य को ग्रामीण क्षेत्रों में भी विस्तार देने के लिए निर्देश दिये। पैड बैंक से प्रत्येक बालिका को प्रतिमाह निःशुल्क सेनेटरी पैड उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। पैड बैंक स्थापना का मुख्य उद्देश्य माहवारी स्वच्छता तथा पोषण के प्रति जागरूकता फैलाना है और बेटियों को सशक्त बनाना है। कार्यक्र म में सहायक संचालक श्याम किशोर द्विवेदी, प्रश्रय वेलफेयर समिति की विपाशा तिवारी, यचिता शुक्ला सहित 100 बालिकाओं द्वारा भागीदारी की गई।

युवा संगम मेला 18 जून को आईटीआई में

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिला प्रशासन, शासकीय आईटीआई सतना एवं जिला रोजगार कार्यालय सतना के सहयोग से सतना जिले में एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि सतना जिले के शासकीय आईटीआई कॉलेज परिसर में 18 जून को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक युवा संगम मेले का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार मेले में चैतन्य फायनेंस, संजीव मोटर्स आमधने प्राइवेट लिमिटेड, धूत ट्रांसमिशन प्राइवेट लिमिटेड, प्राकृतशील एग्रोटेक, इंनफिनिटी कैरियर सोल्यूशन, देवा इंटरप्राइजेज, मदरशन सूमि, गोकलदास एक्सपोर्टस लिमिटेड, एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस, एसजी सेवा संस्थान, लावा मोबाइल, शैडोफॅक्स लोजीस्टीक्स सोल्यूशन, रवीवा वर्क फोर्स प्राइवेट लिमिटेड तथा एलटी कन्स्ट्रक्शन पद के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं आईटीआई, डिप्लोमा, ग्रेजुएशन उत्तीर्ण तथा आयु 18 से 35 वर्ष के बेरोजगार आवेदक अपने मूल रिकार्ड के साथ निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन आज से 30 जून तक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 15 जून से 30 जून 2025 तक जिले के चिन्हित जनजातीय ग्रामों में धरती आबा जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविरों का आयोजन किया जायेगा। अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग के जिला संयोजक कमलेश्वर सिंह ने बताया कि अभियान में शिविरों के माध्यम से आधारकार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, जाति प्रमाणपत्र, पीएम किसान, जनधन खाता, के वितरण के साथ ही शिविर के माध्यम से सिकल सेल रोग और उसके परीक्षण के बारे में आमजनता को जागरूक किया गया। इस अभियान में व्यक्तिगत लाभ वितरण के लिए शेष पीवीटीजी बस्तियों एवं जनजातीय गांव का चिन्हांकन करना, 15 से 30 जून तक ग्राम/कलस्टर स्तर पर अवेयरनेस एण्ड बेनीफिट सेचुरेशन कैम्प का आयोजन किया जायेगा। स्वास्थ्य, खाद्य, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, कृषि और राजस्व आदि विभागों के बीच अभिसरण सुनिश्चित करना, आधार कार्ड ई-केवायसी और दस्तावेजीकरण संबंधी सेवाओं के लिए एनजीओ, सीएससी या इसी तरह के संगठनों में शामिल करना तथा जिलेवार सूक्ष्म योजनायें/शिविर कैलेडर और निगरानी ढांचा तैयार करना तथा योजना अंतर्गत लाभार्थियों की समय पर रिपोर्टिंग शिविरों के माध्यम से सुनिश्चित की जायेगी।

पात्र हितग्राहियों को प्रति माह 2.90 लाख मीट्रिक टन नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत प्रदेश में 5 करोड़ से अधिक पात्र हितग्राहियों को प्रति माह लगभग 2 लाख 90 हजार मीट्रिक टन नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सभी 27 हजार 944 उचित मूल्य दुकानों में पीओएस मशीन स्थापित की जा चुकी हैं। मंत्री श्री राजपूत ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पात्र हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। उचित मूल्य दुकानों में परिवार के किसी भी सदस्य द्वारा बायोमेट्रिक सत्यापन/ओटीपी के माध्यम से राशन प्राप्त किया जा सकता है। अशक्त एवं दिव्यांगजनों के लिये नॉमिनेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। इसके तहत यह लोग जिस व्यक्ति को नामांकित कर देते हैं, उन्हें खाद्यान्न प्रदान किया जाता है। राशन वितरण की सूचना हितग्राही को एसएमएस के माध्यम से भी देने का प्रावधान है। प्रदेश में लगभग 653 उचित मूल्य दुकानें शेडो एरिया में हैं, यहां पर समग्र परिवार आईडी के माध्यम से खाद्यान्न का वितरण किया जाता है।

लंबे तनाव के बाद भारत-कनाडा रिश्तों में नई शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच करीब दो साल से चले आ रहे तनाव के बाद अब दोनों देशों ने रिश्तों को फिर से सामान्य करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। दोनों सरकारें अब एक नई व्यवस्था बनाने जा रही हैं जिसके तहत वे आतंकवाद, अंतर्राष्ट्रीय अपराध और उग्रवादी गतिविधियों से जुड़ी खुफिया जानकारियां आपस में साझा करेंगी। यह समझौता दोनों देशों की जांच एजेंसियों और कानून प्रवर्तन विभागों को जोड़ेगा, ताकि सीमा पार के अपराधों और आतंकी गतिविधियों पर मिलकर काम किया जा सके। यह जानकारी उन अधिकारियों ने दी है जो इस वार्ता से जुड़े हैं लेकिन उन्होंने अपनी पहचान गोपनीय रखी क्योंकि बातचीत अभी पूरी तरह सार्वजनिक नहीं हुई है। इस समझौते में कनाडा की ओर से बाह्य न्यायिक हत्याओं की जांच पर भी जोर रहेगा, खासकर वर्ष 2023 में हुए हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से, जिसे कनाडा ने भारत से जोड़ा था। भारत ने इन आरोपों को %बेतुका और निराधार% बताया था और कनाडा पर खालिस्तानी तत्वों को पनाह देने का आरोप लगाया था। गौरतलब है कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की आगामी ज्ञ-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात होनी है। इस बैठक को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का एक अहम मौका माना जा रहा है। हालांकि, 12 जून को एयर इंडिया विमान हादसे और ईरान-इजराइल संघर्ष के चलते पीएम मोदी की यात्रा योजना में बदलाव संभव है।

अमित शाह बोले- नेता गलत बयानबाजी नहीं करें

पचमढ़ी में भाजपा सांसद-विधायकों को नसीहत दी, एक बार गलती हो जाए तो दोबारा न हो

पचमढ़ी (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को एमपी के सांसद-विधायकों को गलत बयानबाजी न करने की नसीहत दी। उन्होंने कहा- एक बार गलती हो जाती है, लेकिन दोबारा न हो। शाह ने ये बातें पचमढ़ी में आयोजित भाजपा सांसद-विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग में कही। तीन दिन तक चलने वाले इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश सरकार के सभी मंत्री-विधायक, लोकसभा-राज्यसभा सांसद शामिल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूरे तीन दिन कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण वर्ग में संबोधन के बाद शाह भोपाल के लिए रवाना हो गए हैं।

इससे पहले पचमढ़ी के कैंट क्षेत्र में कब्रिस्तान के बगल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार खटीक एल मुरूगन, दुर्गादास उईके, सावित्री ठाकुर, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्रियों ने भी विधायकों-सांसदों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया। पार्क का नाम अटल वाटिका रखा गया है।

दिग्विजय बोले- कैसे खाओ और कैसे खिलाओ का प्रशिक्षण

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग पर कहा कि कैसे खाओ और कैसे खिलाओ

इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि भाजपा में प्रशिक्षण वर्ग पार्टी की कार्यपद्धति का एक अंग है। उसी दृष्टि से हम लोग इसमें शामिल हो रहे हैं। तीन दिन तक मंत्रिमंडल के यहां होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि एक कार्यप्रणाली है। इसके जरिए सरकार के कामकाज चलते रहते हैं। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा प्रशिक्षण वर्ग से जनप्रतिनिधियों में, कार्यकर्ताओं में गुणात्मक परिवर्तन होता है। इससे पार्टी की रीत,नीत, चाल, चरित्र और चेहरे काफी सुधार होने की गुंजाइश रहती है।

इजरायल-ईरान युद्ध-जॉर्जिया में फंसे 61 भारतीय, वतन वापसी के लिए पीएम मोदी से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच छिड़े भीषण युद्ध ने दुनिया भर में कई देशों की हवाई सेवाओं को प्रभावित किया है। सुरक्षा कारणों से कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे विदेशों में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक फंस गए हैं। इसी कड़ी में जॉर्जिया में 61 राजस्थानी नागरिक जिनमें अधिकतर ष्ट और उनके परिवार शामिल हैं, फंस गए हैं। इनमें जैसलमेर के तीन सदस्य भी शामिल हैं। इन सभी ने भारत सरकार से उन्हें सुरक्षित निकालने की गुहार लगाई है। राजस्थान टैक्स कंसल्टेंट एसोसिएशन का 61 लोगों का यह दल अपने परिवार के साथ 8 जून को जयपुर से जॉर्जिया के लिए रवाना हुआ था। वे जॉर्जिया के त्बिलिसी शहर में आयोजित एक रेजिडेंशियल रिफ्रेशर कोर्स में शामिल होने गए थे। इस समूह में तीन बच्चे भी शामिल हैं। इन सभी को 13 जून को भारत लौटना था, लेकिन ईरान और इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने और हवाई सेवाएं रद्द होने के कारण उनकी वापसी की फ्लाइटें रद्द हो गईं, जिससे वे सभी वहीं फंस गए हैं। जॉर्जिया में अपने प्रियजनों के फंसे होने की खबर मिलने पर उनके परिवार के सदस्य गहरी चिंता में हैं।

मणिपुर में सुरक्षाबलों का बड़ा ऑपरेशन-328 हथियार और युद्ध जैसी सामग्री बरामद

मणिपुर। मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीमों ने 13-14 जून की दरम्यानी रात को राज्य के पांच घाटी जिलों में खुफिया सूचना के आधार पर तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान में 328 हथियार, विस्फोटक और युद्ध जैसी सामग्री बरामद की गई, जो राज्य में हिंसा और अशांति को रोकने के प्रयासों में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। बरामद किए गए हथियारों में 151 एसएलआर राइफल, 65 इंसास राइफल, 73 अन्य प्रकार की राइफल, पांच कार्बाइन बंदूकें, दो एमपी-5 बंदूकें और युद्ध जैसी अन्य सामग्री शामिल हैं।

अहमदाबाद विमान हादसा-170 ताबूत तैयार करने का ऑर्डर, 275 पहुंची मृतकों की संख्या

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंचा गया है। शवों को रखने के लिए 170 ताबूत का ऑर्डर दिया गया। बड़ोदरा के शख्स ने बताया कि एअर इंडिया के मैनेजर ने फोन कर ताबूतों का ऑर्डर दिया।

इधर, अहमदाबाद सिविल अस्पताल के डिप्टी सिविल सुपरिंटेंडेंट रजनीश पटेल ने शनिवार को कहा- अब तक 248 शवों के डीएनए सैंपल्स का क्रॉस वेरिफिकेशन हुआ है, जिसमें से 11 का डीएनए मैच हुआ है।

पटेल ने कहा कि आज एक महिला का शव उनके परिवार को सौंपा गया। शुक्रवार का 8 शव उनके परिजनों को हैंडओवर किया गया था। कुल 9 शव सौंपे जा चुके हैं। 8 घायलों का इलाज चल रहा है, एक की हालत गंभीर है।वहीं, सिविल एविएशन

मिनिस्टर के राममोहन नायडू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया- केंद्रीय गृह सचिव के नेतृत्व में जांच कमेटी गठित की गई है। जो 3 महीने में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। इससे पहले बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल से जब मलबा हटाया जा रहा था, तब विमान की टेल (पिछले हिस्से) में फंसा हुआ शव दिखा था। इसका पोस्टमॉर्टम हुआ है।

24 घंटे में कोरोना के 269 नए मरीज मिले

नई दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 269 नए केस सामने आए हैं। शनिवार सुबह 8 बजे तक देशभर में कोरोना के 7400 एक्टिव मामले हैं। वहीं मौत का आंकड़ा बढ़कर 87 हो गया। महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 25 मौतें हुई हैं।शुक्रवार को राजस्थान और केरल में दो लोगों की कोरोना से मौत हो गई। राजस्थान में 70 साल की महिला और केरल में 82 साल के बुजुर्ग ने सांस लेने में तकलीफ के चलते दम तोड़ दिया। राजस्थान में यह कोरोना से इस साल में यह दूसरी मौत है, जबकि केरल में जनवरी से अब तक 23 लोगों की जान गई है। केरल में इस वक्त देश के सबसे ज्यादा 2109 कोविड मरीज हैं। हालांकि, गुरुवार तक 2165 एक्टिव केस थे।

राजस्थान- राजस्थान में शुक्रवार को कोरोना के 34 नए मरीज मिले। उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज के अटैच हॉस्पिटल में भर्ती 70 साल की बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला को सांस लेने में तकलीफ के कारण भर्ती कराया गया था। जांच में महिला की कोरोना रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। इससे पहले जयपुर में पिछले महीने एक मरीज की मौत हुई थी। उत्तर प्रदेश- उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए सावधानी बरतने का निर्देश जारी किया है। प्रमुख स्वास्थ्य अधिकारियों ने सभी अस्पतालों को जरूरी दवाएं, पीपीई किट, जांच सुविधाएं, आइसोलेशन बेड, ऑक्सीजन सिलेंडर, आईसीयू और वेंटिलेटर जैसी सुविधाओं को तैयार रखने को कहा है।

तीन महिला समेत चार नक्सलियों का एनकाउंटर

बालाघाट। बालाघाट में पुलिस ने एक मुठभेड़ में तीन महिला समेत चार नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ शनिवार दोपहर में बिठली पुलिस चौकी क्षेत्र के पचामा दादर के जंगल में हुई। हॉक फोर्स और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली। एसपी आदित्य मिश्रा ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अभी भी ऑपरेशन जारी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस को पचामा दादर के जंगल में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद फोर्स यहां भेजी गई। मुठभेड़ में मारी गई तीनों महिला नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बालाघाट में आज मुठभेड़ में 4 नक्सलियों को मार गिराया गया है। जिसमें 3 महिलाएं और 1 पुरुष शामिल हैं। उनके पास से

कई हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। प्रदेश सरकार इस घटना में अच्छे परिणाम लाने वाले पुलिसकर्मियों को जरूर पुरस्कृत करेगी। इससे पहले 19 फरवरी को भी बालाघाट पुलिस को बड़ी सफलता मिली थी। कान्हा के वनक्षेत्र सूपखार में रौंदा फारेस्ट कैंप के पास हुई मुठभेड़ में 4 महिला नक्सली मारी गई थीं।

नवजोत सिद्धू बोले- राजनीति मेरा धंधा नहीं, मिशन

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के नेता व पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू एक बार फिर से एक्टिव हो गए हैं। हाल ही में कपिल शर्मा शो में उनकी फिर से वापसी की चर्चा हो रही थी तो आज उन्होंने राजनीति में अपनी वापसी की भी बात की है। उन्होंने कहा कि वो राजनीति में कमाने नहीं आए थे। नवजोत सिंह सिद्धू आज अमृतसर के ज्ञानी टी स्टाल के बाहर नजर आए, जहां उन्होंने कहा कि वो कभी राजनीति को धंधा नहीं समझते। सिद्धू ने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पंजाब को माफिया की तरह चलाया जा रहा है। उनके अनुसार सरकार के पास राज्य के

विकास का कोई विजन नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे राजनीति में व्यापार करने नहीं, बल्कि परिवर्तन लाने आए थे पिछले 30 सालों की सरकारों पर टिप्पणी करते हुए सिद्धू ने कहा कि सभी सरकारें माफिया के नियंत्रण में थीं।

अंबाला में रिटायर्ड कमांडर बोले-विमान हादसे की वजह गलत कॉन्फिगरेशन

अंबाला (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे पर हरियाणा के अंबाला में भारतीय वायुसेना से रिटायर्ड विंग कमांडर एस.डी. विज ने बताया कि विमान के दोनों इंजनों का एक साथ खराब होना बहुत ही दुर्लभ है। उन्होंने उदाहरण दिया कि पहले भी ऐसी घटनाएं हुई थीं, जैसे 'मिरेकल ऑन द हडसन' अमेरिका का एक विमान पक्षियों से टकराकर अपने दोनों इंजन खो बैठा था, फिर भी उसने सुरक्षित लैंडिंग किया था। दूसरा उदाहरण एयर ट्रान्साट फ्लाइट 236 का है, जहां ईंधन लीक होने की वजह से दोनों इंजन बंद हो गए थे, फिर भी विमान सुरक्षित उतर आया था। गौरतलब है कि अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया बोइंग 787-8 ने 12 जून की दोपहर उड़ान भरने के तुरंत बाद दुर्घटना का शिकार हुआ था। इस विमान में 230 यात्री, 10 क्रू सदस्य और 2 पायलट थे। मतलब कुल 242 लोगों ने सफर किया था। हादसे में केवल एक व्यक्ति जो सीट नंबर 11 पर बैठा था। सिर्फ वही यात्री जीवित बच पाया, जबकि बाकी सभी की मौत हो गई। रिटायर्ड विंग कमांडर एस.डी. विज ने बताया कि इंजन खराब होने की वजह कोई रुकावट भी हो सकती है। उदाहरण के लिए, कूलेंट सिस्टम या तेल और ईंधन की पाइपें जाम होने से इंजन गरम होकर खराब हो सकता है या फिर दरारा आ सकती है।

यूपी में नदी में नहाते 5 बच्चों की दर्दनाक मौत

पटना। उत्तर प्रदेश के दो अलग-अलग जिलों में दर्दनाक हादसे हुए हैं, जहां कई बच्चे नदी में नहाकर डूब गए।पहला हादसा सीतापुर जिले के तंबौर थाना क्षेत्र में हुआ है। यहां शुक्रवार को 4 बच्चे नदी में नहाते समय डूब गए। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया था, जिसमें अब तक 4 बच्चों की लाशें नदी से बरामद हो चुकी हैं। इनमें देवांश और राहुल नाम के बच्चे भी शामिल हैं। एनडीआरएफ की टीम अभी भी बच्चों की खोज में लगी हुई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दूसरा हादसा अयोध्या में गोमती नदी में हुआ। सुल्तानपुर जिले के फत्तेपुर के 17 वर्षीय सौरभ पुत्र राजेंद्र शुक्रवार को बाबा बाजार थाना क्षेत्र के कामाख्या घाट पर दोस्तों के साथ स्नान कर रहा था। अचानक वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया।

अब दिल्ली में गंदगी फैलाई तो भुगतना होगा अंजाम-सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी को स्वच्छ रखने के लिए बड़े और कड़े कदम उठाने की घोषणा की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि दिल्ली को गंदा करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई के लिए एक विशेष अध्यादेश लाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि शहर की दीवारों को गंदा करना या सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फैलाना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उनका मानना है कि स्वच्छ दिल्ली के लिए हर नागरिक को %पर्यावरण प्रहरी% बनकर शहर को स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बनाने में योगदान देना होगा। रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि

सरकार अकेले शहर को व्यवस्थित नहीं कर सकती, इसके लिए जनता की भागीदारी बेहद ज़रूरी है। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे दिल्ली को साफ-सुथरा रखने में अपना सक्रिय योगदान दें। हम दिल्ली को लंदन या पेरिस नहीं, एक स्वच्छ और सुंदर दिल्ली बनाना चाहते हैं। इसके साथ ही यमुना को साफ करने और दिल्ली को हरित बनाने की दिशा में भी विशेष योजनाएँ बनाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर पिछली सरकारों पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने खजाना तो साफ कर दिया लेकिन शहर की धूल नहीं हटाई।मुख्यमंत्री ने दिल्ली सचिवालय में आयोजित एक कार्यक्रम में लैंडस्केपिंग के मूल सिद्धांत पुस्तक के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण का विमोचन करते हुए ये बातें कहीं।

आगामी विधानसभा चुनाव में वर्ष 2010 से भी बड़ी जीत दर्ज करेगा एनडीए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मदन सहनी ने शुक्रवार को यहां जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए समावेशी विकास के कार्य किए गए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में राजग वर्ष 2010 से भी बड़ी जीत दर्ज करेगा और 'मिशन 225% का लक्ष्य आसानी से प्राप्त होगा। उन्होंने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि महागठबंधन में सीट बंटवारे से लेकर मुख्यमंत्री पद के चेहरे तक गहरे मतभेद और खींचतान हैं। इस अवसर पर सहनी ने अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया विमान हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने इस हृदय विदारक दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

अयोध्या में राम मंदिर के आसपास ऊंची इमारतों के निर्माण पर लगी रोक

उत्तरप्रदेश (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर के आसपास ऊंची इमारतें के निर्माण पर रोक लगा दी गई है। अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने इसके लिए नया नियम लागू कर दिया है। इसके तहत राम मंदिर के आसपास के क्षेत्र को दो हिस्सों में बांटा गया है और हर क्षेत्र में भवन की ऊंचाई तय कर दी गई है। एडीए द्वारा बनाए गए मास्टर प्लान-2031 के अनुसार अयोध्या धाम क्षेत्र को दो हिस्सों में बांटा गया है।पहला क्षेत्र- इसमें रानोपाली रेलवे क्रॉसिंग, रेलवे स्टेशन, रायगंज रोड, रानी बाजार चौराहा, तपस्वी छावनी चौराहा, वाल्मीकि भवन, राम की पैड़ी, लक्ष्मण घाट और साकेत डिग्री कॉलेज के पीछे तक का इलाका शामिल है। यहां केवल 7.5 मीटर तक ऊंचे भवन ही बनाए जा सकते हैं। दूसरा क्षेत्र- इसमें 15 मीटर तक की ऊंचाई के भवन बनाने की अनुमति दी गई है। राम मंदिर के आसपास के इलाके को विशेष प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया है। इस क्षेत्र में ऊंचे भवनों के निर्माण पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह फैसला मंदिर की सुरक्षा और आसपास के धार्मिक वातावरण की सुंदरता बनाए रखने के लिए लिया गया है।एडीए के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार पाण्डेय ने जानकारी दी कि कुछ मकान और रेस्टोरेंट्स पहले से ही इन नियमों के खिलाफ बने हुए थे। ऐसे मामलों में नोटिस जारी कर कार्रवाई की जा रही है।

हरियाणा में हर रोज मांगी जाएगी बिजली कट की रिपोर्ट

चंडीगढ़। हरियाणा में बढ़ती गर्मी के दौरान बिजली कट को लेकर ऊर्जा मंत्री अनिल विज सख्त हो गए हैं। उन्होंने प्रदेश भर से बिजली जाने और कट लगने की रिपोर्ट तलब कर ली है।

उन्होंने सभी अधीक्षक अभियंता को निर्देश दिए हैं कि वह डेली ऊर्जा मंत्री ऑफिस में इस संबंध में एक रिपोर्ट भेजेंगे। विज ने कहा, उनके इन निर्देशों के संबंध में यदि किसी भी अधिकारी द्वारा कोई कोताही बरती गई तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई अमल में जाएगी क्योंकि अनिल विज कोताही बरतने वाले अधिकारी-कर्मचारी को बख्शता नहीं है। विज ने नई दिल्ली में मीडिया कर्मियों द्वारा गर्मियों में बिजली की आपूर्ति को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब देते

हुए कहा, ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को आज उनके द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिदिन उन्हें प्रत्येक एसई से उनके अधिकार क्षेत्र में कितने घंटे बिजली की आपूर्ति नहीं हुई और आपूर्ति न होने के क्या कारण रहें, के संबंध में पूरी रिपोर्ट रोजाना ऊर्जा मंत्री को भेजनी होगी।

विज ने कहा कि हरियाणा में बिजली आपूर्ति को लेकर किसी भी प्रकार से कोई दिक्कत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बिजली की आपूर्ति को लेकर हमारी स्वयं की जेनरेशन है और बिजली लेने के लिए लंबे समयावधि के समझौते भी हरियाणा के ऊर्जा विभाग ने किए हुए है। विज ने बताया कि हरियाणा में हमें अधिकतम 16 हजार मेगावाट बिजली की आवश्यकता पड़ती है और 16 हजार मेगावाट बिजली आपूर्ति करने की हमने पूरी व्यवस्था की हुई है।

बिजली की आपूर्ति को लेकर ऊर्जा विभाग पूरी तरह से तैयार है और गर्मियों के सीजन को देखते हुए हम पहले से ही तैयारी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं जब मंत्री बना था उसी दिन मैंने बिजली निगमों के अधिकारियों को निर्देश दे दिए थे कि सभी ट्रांसफॉर्मर का सुदृढ़ीकरण (ऑगमेंटेशन) किया जाए अर्थात जहां पर मांग क्षमता से कम का ट्रांसफॉर्मर लगा हुआ है तो उसे ठीक किया जाए।

इन खिलाड़ियों ने जड़ी इंट्रा-स्क्वाड मैच में फिफ्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया बेकेनहैम में 4 दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच खेल रही है। इस मैच में पहले दिन यानी 13 जून को भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने बल्लेबाजी में दम दिखाया जबकि शार्दुल ठाकुर गेंदबाजी में चमके। भारत 20 जून से शुरू हो रहे टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारियों को आखिरी रूप देने में लगा है। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के आग्रह पर बिना किसी मीडिया कवरेज के बंद दरवाजों के पीछे हो रहे चार दिवसीय मैच सिमुलेशन अभ्यास ने कई खिलाड़ियों को इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुकूल खुद को ढालने का मौका दिया। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पोस्ट में मैच के पहले दिन के टॉप प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का खुलासा किया। बीसीसीआई ने पोस्ट के जरिए बताया कि पहले दिन केएल राहुल, रविंद्र जडेजा और कप्तान शुभमन गिल ने अर्धशतक लगाया जबकि गेंदबाजी में शार्दुल ठाकुर का जलवा रहा। वहीं केएल राहुल ने इससे पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच में शतक लगाया था और 116 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। राहुल ने आईपीएल 2025 के अपने शानदार फॉर्म को जारी रखा है।

सुरुचि ने लगातार तीसरा गोल्ड मेडल जीता, पूरी की मेडलों की हैट्रिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूनिक में जारी आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय निशानेबाज सुरुचि सिंह ने शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल फाइनल में जीत के साथ लगातार तीसरा गोल्ड मेडल जीता है। अपने तीसरे वर्ल्ड कप में भाग ले रही इस 19 वर्षीय निशानेबाज ने व्यक्तिगत गोल्ड मेडलों की हैट्रिक पूरी की और कुल मिलाकर चौथा मेडल जीता। उन्होंने इससे पहले अप्रैल में ब्यूनस आयर्स और लीमा विश्व कप में गोल्ड जीते थे। सुरुचि ने फाइनल में 241.9 अंक के साथ गोल्ड मेडल जीता। चीन की कांस्य मेडल विजेता कियानक्सुन याओ को पछाड़ने के तुरंत बाद सुरुचि ने 10.5 अंक के साथ बढ़त हासिल की जबकि फ्रांस की सिल्वर विजेता कैमिली जेड्रेजेवस्की सिर्फ 9.5 अंक का ही निशाना साध पायी। अंतिम प्रयास में 9.5 स्कोर भारतीय खिलाड़ी के लिए शीर्ष पुरस्कार हासिल करने के लिए पर्याप्त था क्योंकि जेड्रेजेवस्की ने 9.8 का ही स्कोर किया था।

सुरुचि इससे पहले क्वालीफिकेशन में 588 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि दो बार की ओलंपिक मेडल विजेता मनु भाकर 574 अंक के साथ 25वें नंबर पर रहीं। फाइनल मुकाबले के दौरान कमेंट्री कर रहीं भाकर ने अपनी हमवतन के गोल्ड मेडल जीतने पर खुशी जाहिर की है। सुरुचि का जन्म हरियाणा के झज्जर जिले के सासरोली गांव में एक ऐसे परिवार में हुआ जहां खेल जगत से गहरा नाता था। सुरुचि के पिचा हवलदार इंदर सिंह शुरू में चाहते ते कि सुरुचि कुश्ती में आगे बढ़े क्योंकि उन्हें अपने चचेरे भाई वीरेंद्र सिंह से प्रेरणा मिली थी।

सिफत कौर सामरा को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन में कांस्य पदक

नई दिल्ली (एजेंसी)। शीर्ष भारतीय निशानेबाज सिफत कौर सामरा ने गुरुवार को आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच कांस्य पदक जीता। महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक 23 वर्षीय सिफत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 453.1 अंक बनाए। नॉर्वे की जीनेट हेग ड्यूस्टेड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी ने 464.8 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। एमिली 590 अंक के साथ क्वालीफिकेशन में नौवें स्थान पर रहीं थी लेकिन फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं क्योंकि शीर्ष आठ में शामिल दो निशानेबाज केवल रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए निशानेबाजी कर रहीं थी। क्वालीफिकेशन में सिफत ने नीलिंग, प्रोन और स्टैंडिंग के तीन चरण में कुल 592 अंक हासिल करके दूसरा स्थान हासिल किया। इस साल की शुरुआत में ब्यूनस आयर्स में हुए विश्व कप में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था जिससे 2024 पेरिस ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद इस सत्र की शानदार शुरुआत हुई।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले टीम इंडिया को झटका, बीसीसीआई ने किया रिप्लेसमेंट का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय भारतीय पुरुष टीम ही नहीं बल्कि भारत की अंडर-19 और महिला क्रिकेट टीम भी इंग्लैंड का दौरा कर रही है। इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास के दौरान भारतीय महिला क्रिकेट प्लेयर सुचि उपाध्याय चोटिल हो गई। उन्हें पूरे दौरे से बाहर होना पड़ा है। बीसीसीआई ने उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया है।

दरअसल, सुचि उपाध्याय के चोटिल होने के बाद बीसीसीआई ने राधा यादव के रूप में रिप्लेसमेंट का ऐलान किया। सुचि को बाएं पैर में चोट लगी। ये चोट तब लगी जब वह बेंगलुरु स्थिति सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में टीम के बाकी प्लेयर्स के साथ अभ्यास कर रही थी।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड दौरे पर 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसके बाद 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। पहला टी20 मैच 28 जून को खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम मैच 12 जुलाई को होगा। इसके बाद 16 जुलाई से वनडे सीरीजशुरू होगी जिसका आखिरी मैच 22 जुलाई को होगा।

भारत और श्रीलंका में होने वाले महिला वनडे वर्ल्ड कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ ये सीरीज काफी अहम होगी। 30 सितंबर से 2 नवंबर तक वर्ल्ड कप आयोजित होगा, जिसमें 8 टीमों के बीच कुल 31 मैच खेले जाएंगे। 2 नंबर को फाइनल मैच बेंगलुरु में होगा, अगर पाकिस्तान टीम फाइनल तक जगह बनाती है तो फिर खिताबी मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा।

साउथ अफ्रीका के इस खिलाड़ी के मुरीद हुए रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों को बोलबाला रहा है। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि साउथ अफ्रीका के युवा गेंदबाज मार्को जेनसन का भविष्य उज्जवल है।

उन्होंने भविष्यवाणी की है कि जेनसेन भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बन सकते हैं। आईपीएल में मार्को जेनसन को कोचिंग देने के दौरान पोंटिंग ने उनकी खूबियों को नजदीक से देखा।

आईसीसी हॉल ऑफ फेमर रिकी पोंटिंग ने कहा कि, मार्को जेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक हैं, लेकिन उनकी प्रतिभा भी उतनी ही अलग है। उन्होंने प्रोटियाज के लिए शुरुआत में बेहतरीन प्रदर्शन किया, कगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक बेहतरीन तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई, जिसने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के पहले ही दिन ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम पर कहर बरपाया।

रबाडा ने लॉर्ड्स में एक और पांच विकेट लेकर ज्यादा तारीफ बटोरी, लेकिन जेनसन की गेंदबाजी भी उतनी भी प्रभावशाली रही। बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने 14 ओवर में 49 रन देकर 3 विकेट लिए और उनके विकेटों में मार्नस लाबुशेन और ट्रेविस हेड शामिल थे। दूसरे दिन फील्डिंग करते समय उंगली में चोट लगने के कारण उनका दिन खराब हो गया था, हालांकि, इसके तुरंत बाद गेंदबाजी क्रीज पर वापस आकर उन्होंने साबित कर दिया कि वे बेखौफ हैं और मार्नस लाबुशेन को 22 रन पर आउट कर दिया।

टेंबा बावुमा ने रचा इतिहास, ऐसा करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने, रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की कर ली बराबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में इतिहास रच दिया है। बावुमा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में 36 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने रोहित शर्मा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। बावुमा पहली पारी में 84 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। बवुमा ने इस पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। बवुमा ने डेविड बेडिंघम के साथ 5वें विकेट के लिए 64 रनों की साझेदारी निभाई। वहीं बावुमा ने इस पारी में छक्का जड़ते ही रोहित के रिकॉर्ड की बराबरी की। बवुमा अब रोहित के बाद वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में छक्का जड़ने वाले सिर्फ दूसरे कप्तान बन गए हैं। बावुमा से पहले रोहित ये कारनामा कर चुके हैं। रोहित ने साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ फाइनल में ये कारनामा किया था। रोहित ने अब टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है। बावुमा ने फाइनल में अच्छी पारी खेली, लेकिन वो इस पारी के बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। बवुमा के आउट होते ही साउथ अफ्रीका की पूरी टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। साउथ अफ्रीका पहली पारी में सिर्फ 138 रनों पर ही ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए कप्तान पैट कमिंस ने 6 विकेट झटके। जिससे ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 74 रनों की बढ़त मिल गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 212 रन बनाए थे।

गौतम गंभीर की मां को पड़ा दिल का दौरा

नई दिल्ली। टीम इंडिया को बीच में ही छोड़कर हेड कोच गौतम गंभीर स्वदेश लौट रहे हैं। दरअसल, गंभीर की मां की सेहत खराब है जिस कारण उनकी मां को दिल का दौरा पड़ा है। बताया जा रहा है कि गौतम गंभीर की मां फिलहाल आईसीयू में हैं, जहां डॉक्टर उनकी सेहत पर लगातार नजरें जमाए हैं। भारतआने के बाद गौतम गंभीर वापस कब इंग्लैंड लौटेंगे, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। उस पर फैसला इस बात पर निर्भर कर सकता है कि मां की सेहत कैसी है?

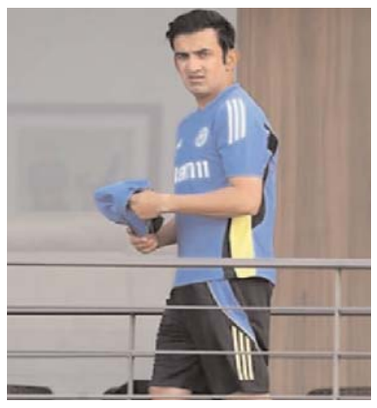

बता दें कि, 13 जून से 16 जून तक इंट्रा स्क्वॉड मैच खेलन था, जिसमें भारती बेहतरीन कॉम्बिनेशन को तलाशने का काम हेड कोच होने के नाते गौतम गंभीर को करना था। लेकिन अब उनकी गैर मौजूदगी में ये काम बाकी के सपोर्ट स्टाफ को करना पड़ सकता है। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। उम्मीद यही है कि गंभीर 20 जून से पहले टीम इंडिया को जॉइन कर ले। फिलहाल, टीम इंडिया को इंग्लैंड दौरे पर गौतम गंभीर की जरूरत है।

आईपीएल में 3 सालों से नहीं मिला कोई खरीददार, अब टी20 में तबाई मचाकर जड़ दिए 19 छक्के

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेजर लीग क्रिकेट के पहले मैच में फिन एलन ने अपने बल्ले से कमाल दिखाकर छक्कों की झड़ी लगा दी। इसके साथ ही उन्होंने टी20 में सबसे ज्यादा छक्कों का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। बता दें कि, फिन एलन को पिछले 3 सालों से आईपीएल में कोई खरीददार नहीं मिला लेकिन अब उन्होंने अपने प्रदर्शन से आईपीएल फ्रेंचाइजियों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के लिए खेलते हुए न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज फिल एलन ने शुक्रवार को ओकलैंड कोलिजीयम में वाशिंगटन फ्रीडम के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने क्रिस गेल का टी20 पारी में सबसे ज्यादा छक्कों को पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ा। एलन ने 51 गेंदों पर 151 रन की धमाकेदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 19 छक्के कूट दिए। इतना ही नहीं उन्होंने 5 चौके भी लगाए। ऐसे में उन्होंने क्रिस गेल और एस्टोनिया के साहिल चौहान द्वारा संयुक्त रूप से बनाए गए 18 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। एलन ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद वह और आक्रामक हो गए और उन्होंने सिर्फ 34 गेंदों में अपने करियर का चौथा टी20 शतक पूरा किया। ये एमएलसी इतिहास में अब तक का सबसे तेज शतक है। इसके साथ ही उन्होंने निकोलस पूरन को पछाड़ दिया है। पिछले सीजन में निकोलस पूरन ने 40 गेंदों में शतक ठोका था।

वहीं आईपीएल 2021 में जोश फिलिप के रिप्लेसमेंट के रूप में आरसीबी ने एलन को साइन किया था। हालांकि, उन्हें कोई भी मैच नहीं खेलने को मिला। अगले साल भी वह नीलामी में शामिल हुए लेकिन किसी भी फ्रेंचाइजी ने उनमें रुचि नहीं दिखाई।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले भारतीय बॉलिंग कोच ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 20 जून को लीड्स में खेला जाएगा। इसके साथ ही नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में भारत अपने नए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेगा।

भारत के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने अनुसार इंग्लैंड की परिस्थितियों में निरंतरता बनाए रखना अहम होगा। इसके साथ ही उन्होंने स्वीकार किया कि इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही टेस्ट सीरीज से पहले टीम को लाल गेंद से खेलने का कम मौका मिला जिससे वह थोड़ा नर्वस हैं।

मोर्कल ने कहा कि, मुझे लगता है कि इंग्लैंड में निरंतरता बनाए रखना अहम है और जब हम अभ्यास करते हैं तो इसमें निरंतरता होती है, मैदान के बाहर भी निरंतरता होती है। हमारे खिलाड़ियों को उस प्रक्रिया को ढूंढना होगा जो उनके खेल के अनुकूल हो।

उन्होंने कहा कि, हमारे पास बहुत विविधता है। हमारे आक्रमण में विविधता है, हमारे पास अलग-अलग कौशल वाले खिलाड़ी हैं, इसलिए वे ऐसा कर सकते हैं और साथ ही बेसिक्स पर भी अच्छी तरह से अमल कर सकते हैं। भारत ने आखिरी बार इस साल जनवरी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट के दौरान लाल गेंद से क्रिकेट खेला था। इसके अलावा, मौजूदा टीम में यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन सहित कई खिलाड़ी पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज खेलेंगे। मोर्कल ने कहा कि, कुल मिलाकर मैं अभी तक की तैयारी से बहुत खुश हूं। हमने हाल में लाल गेंद से कम क्रिकेट खेला है जिससे मैं थोड़ा नर्वस था, लेकिन पिछले तीन दिनों में खिलाड़ियों ने जिस तरह से अभ्यास किया उसे देखकर अच्छा लगा।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे पास एक बेहतरीन टीम है ये बेहद ऊर्जावान है और आपको इसी की जरूरत है। आपको टेस्ट सीरीज में आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और टीम भावना रखनी होगी।

कलेक्टर ने डीईओ पर कार्यवाही के लिए कमिश्नर को भेजा प्रस्ताव

रीवा जिले में शिक्षा विभाग में छह फर्जी अनुकम्पा नियुक्तियां हुईं, चार और संदिग्ध मामले आये सामने

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में शिक्षा विभाग में अनुकंपा नियुक्ति से जुड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। पहले एक प्रकरण सामने आया जिसकी जांच के बाद अब पांच नये मामले भी सामने आए हैं। स्कूल शिक्षा विभाग में फर्जी अनुकंपा नियुक्ति में एक के बाद एक नए मामले बढ़ते जा रहे हैं। अब तक छह फर्जी अनुकंपा नियुक्त के प्रकरण मिल चुके हैं। इनके खिलाफ एफआईआर भी सिविल लाइन थाने में दर्ज करा दी गई है। जिसके बाद अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है,वहीं जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा लाल गुप्ता पर शक के घेरे में हैं।

दरअसल पिछले एक साल में 36 अनुकंपा नियुक्तियां सामने आई हैं, सभी को नोटिस दिया। कागजात सहित जिला शिक्षा कार्यालय बुलाया गया, लेकिन 10 नहीं पहुंचे। उनके कागजात जांचे तो छह पूरी तरीके से फर्जी निकले। वहीं 4 अभी संदिग्ध हैं। यह सारे मामले सिर्फ एक साल में दी गई अनुकंपा नियुक्ति के हैं। खुलासे के बाद अब पुराने प्रकरण भी संदेह के घेरे में हैं।

जिसने जांच कराई उसी के कार्यकाल में नियुक्ति हुई: जिला शिक्षा अधिकारी सुदामा लाल गुप्ता ने मामला उजागर होने के बाद अपने कार्य काल के मामलों की जांच कराई तो यह फर्जीवाड़ा सामने आया, जिसमें वो खुद भी घिरते जा रहे हैं। अब तक उनके हस्ताक्षर से 6 फर्जी अनुकंपा नियुक्ति आदेश जारी किए गए हैं। पहले बृजेश कुमार कोल की फर्जी अनुकम्पा नियुक्ति का प्रकरण पकड़ में आया। जिसके बाद अब एक एक कर सारे मामले बाहर आते जा रहे हैं। फिलहाल वर्तमान जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यकाल के ही प्रकरण सामने आए हैं। डीईओ सुदामा लाल गुप्ता ने फिलहाल पांच और फर्जी अनुकंपा नियुक्ति लेने वालों के खिलाफ सिविल लाइन थाना में एफआईआर दर्ज करा दी है। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस इन फर्जी नौकरी लेने वालों की तलाश में जुट गई है, संलग्न लिपिक को अनुकम्पा का प्रभार जिला शिक्षा अधिकारी रीवा सुदामा लाल गुप्ता द्वारा दिया गया था।

अनुकंपा प्रभारी रीवा में अटैच: अनुकंपा प्रभारी रमाप्रपन्न द्विवेदी की मूल पदस्थापना विकास खंड शिक्षा अधिकारी रीवा में हैं, पर उन्हें जिला शिक्षा अधिकारी रीवा अटैच करके रखे हुए थे। माना जा रहा है कि सारा फर्जीवाडा गोपनीय तरीके से दस्तावेज में हेर-फेर कर किया गया। शासन स्तर से अनुकम्पा के आवेदन ऑनलाइन संकुल के माध्यम से किया जाना चाहिए था, उसके बाद हार्ड कापी में संकुल प्रभारी के हस्ताक्षर से भेजना था। हालांकि ऐसा नहीं किया गया।

नियुक्ति के बाद नहीं हुई उपस्थिति: इस मामले को लेकर जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि इसमें सबसे पहले एक प्रकरण सामने आया था। जिसमें नियुक्ति के बाद भी वो उपस्थित नहीं हो रहा था। जांच में पाया गया कि पांच नियुक्तियां और इसी तरह से हैं,जो संदिग्ध लग रही थी। जब कमेटी बनाकर जांच कराई गई तो पता चला की इनके द्वारा गलत तरीके के दस्तावेज लगाकर ये अनुकंपा नियुक्ति पाई गई हैं। जिसके बाद इस मामले से जुड़े 6 लोगों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गई है। नोडल अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी के खिलाफ भी कार्यवाही को लेकर वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है।

एडिशनल एसपी आरती सिंह ने बताया कि हीरामणि रावत, ओम प्रकाश कोल,सुषमा कोल,विनय रावत और रमा प्रसन्न धर द्विवेदी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुदामा गुप्ता ने बताया कि 6 मामलों में मैंने एफआईआर दर्ज करवाई है। पहले मुझे लगा कि एक ही मामला होगा। बाद में मैंने फाइल खुलवाई तो एक के बाद एक कई मामले निकलकर सामने आ गए। सभी मामलों में सेम पैटर्न पर कूट रचित दस्तावेज की मदद से फर्जीवाड़ा किया गया है।

घर के बाहर खेल रही बच्ची को कार ने कुचला, आरोपी फरार

इलाज के दौरान मौत, पैर में थी गंभीर चोट

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में शनिवार को एक तेज रफ्तार वाहन ने घर के बाहर खेल रही 9 साल की बच्ची को टक्कर मार दी। हादसे में बच्ची की मौत हो गई, जबकि ड्राइवर गाड़ी सहित मौके से फरार हो गया। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र के विराटनगर की है।

बच्ची को पैर में ज्यादा चोटें आई थी। परिजन उसे घायल अवस्था में एक निजी नर्सिंग होम लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान लक्ष्मी कुशवाहा के रूप में हुई है।

सीसीटीवी खंगाले जा रहे: सिविल लाइन थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन और चालक की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि फुटेज और चश्मदीदों के आधार पर आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

बिरसिंहपुर में युवक पर हमले के मामले में मुख्य आरोपी समेत 7 लोग गिरफ्तार

एक फरार, कोरेक्स सीरप बिक्री को लेकर था विवाद

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना के सभापुर थाना क्षेत्र के बिरसिंहपुर में हायर सेकंडरी चौराहे पर हुए हमले के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अमीन (19) को गिरफ्तार कर लिया है। वार्ड-5 सभापुर निवासी अमीन को शुक्रवार सुबह पकड़कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

इस मामले में अब तक सात आरोपी जेल जा चुके हैं, जबकि एक अभी फरार है। घटना के बाद बिरसिंहपुर में कई दिनों तक भारी पुलिस बल तैनात रहा। पूरा विवाद कोरेक्स सीरप की अवैध बिक्री को लेकर शुरू हुआ। शिवांक तिवारी (18) और युवकों के बीच इस मुद्दे पर लगातार तनाव था।

कुछ महीने पहले तिवारी परिवार के युवकों ने एक युवक का कोरेक्स बेचते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। इसके बाद 18 अप्रैल और 14 मई को शिवांक और उसके साथियों ने एक युवक से मारपीट की थी।

इसके बाद शनिवार सुबह जब शिवांक हनुमान मंदिर के पास अकेला मिला, तो उस पर हमला किया गया। इस घटना के बाद दोनों पक्षों में पथराव हुआ और कुछ बाइकों में तोड़फोड़ की गई।

सड़क सुरक्षा को लेकर मॉडिफाई वाहनों पर चला सघन जांच अभियान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में सड़क सुरक्षा को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने आयुक्त नगर निगम रीवा के आदेशानुसार मॉडिफाई वाहनों के खिलाफ एक सघन जांच अभियान चलाया। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य उन वाहनों पर नकेल कसना था, जो अवैध रूप से मॉडिफाइड किए गए हैं और यातायात नियमों का उल्लंघन करते हैं। अभियान के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों और चौराहों पर परिवहन सुरक्षा स्कवाड़ रीवा ने जांच की , जिसमे वाहनों की तकनीकी स्थिति और दस्तावेजों की गहन जांच की। इस अभियान के तहत अवैध, अनधिकृत लाइट्स, और अन्य मॉडिफिकेशन वाले वाहनों पर विशेष ध्यान दिया गया।आरटीओ रीवा ने बताया की "हमारा उद्देश्य न केवल नियमों का पालन सुनिश्चित करना है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करना भी है, जो अक्सर ऐसे वाहनों के कारण होती हैं। अभियान के पहले दिन ही चार वाहनों को जप्त भी किया गया। "ऐसे वाहन तेज आवाज और खतरनाक ड्राइविंग के कारण आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनते हैं ।"परिवहन विभाग ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को मोटरयान अधिनियम के अनुसार ही संशोधित करें और नियमों का पालन करें। विभाग ने यह भी घोषणा की कि इस तरह के अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे ताकि सड़कों पर अनुशासन और सुरक्षा बनी रहे।यह अभियान न केवल रीवा की सड़कों को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि अन्य जिलों के लिए भी एक प्रेरणा बन सकता है।

पुलिस और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई, सिरमौर में गोदाम सील किया

2056 बोरी अवैध खाद जब्त, दो लोग हिरासत में

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में अवैध खाद के कारोबार पर पुलिस और कृषि विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। शुक्रवार रात संयुक्त टीम ने छापेमारी कर 2056 बोरी अवैध खाद जब्त की। यह कार्रवाई पहले से गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी के आधार पर की गई।

छापे सिरमौर, विश्वविद्यालय और चोरहटा थाना क्षेत्रों में मारे गए। सबसे बड़ी कार्रवाई सिरमौर क्षेत्र में हुई, जहां एक बड़े गोदाम को सील कर दिया गया। वहीं चोरहटा थाना क्षेत्र के अटरिया में 600 बोरी खाद जब्त हुई। मौके पर मौजूद कृषि विभाग और पुलिस अधिकारियों ने गोदामों को सील कर जब्त खाद से जुड़े दस्तावेजों की बारीकी से जांच शुरू की है। इस गोरखधंधे में शामिल अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है। इस अवैध कारोबार में शामिल विकास गुप्ता और कृष्ण कुमार गुप्ता को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक यह कार्रवाई उन मुनाफाखोरों के खिलाफ चेतावनी है जो किसानों की जरूरतों का फायदा उठा रहे थे।

जिलेभर में जारी रहेगी कार्रवाई: एडिशनल एसपी आरती सिंह ने कहा कि पुलिस और कृषि विभाग की संयुक्त मुहिम अब पूरे जिले में चलेगी। जिन लोगों की भूमिका इस गोरखधंधे में रही है, उनकी भी जल्द गिरफ्तारी होगी। किसके नाम से ये सब सब संचालित थे और किसकी क्या भूमिका थी। इसकी जांच की जा रही है।

कलेक्टर ने मत्स्याखेट पर प्रतिबंध के दिए आदेश

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। 14 जून 2025. कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जिले के सभी जलाशयों में 16 जून 2025 से 15 अगस्त 2025 तक मत्स्याखेट पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। इस अवधि में मछली का शिकार, विनिमय तथा परिवहन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश मध्यप्रदेश नवीन मत्स्योद्योग नियम 1972 के तहत जारी किया गया है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर एक वर्ष के कारावास अथवा पांच हजार रुपए के जुर्माने से दण्डित किया जाएगा। प्रतिबंध की अवधि में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का मत्स्याखेट न करे। यह प्रतिबंध छोटे तालाब अथवा अन्य ऐसे जल स्त्रोत पर लागू नहीं होगा जिसका संबंध किसी नदी या नाले से नहीं है। उल्लेखनीय है कि वर्षाकाल का आरंभ मछलियों का प्रजनन काल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए कलेक्टर द्वारा मत्स्याखेट पर प्रतिबंध के आदेश दिए गए हैं।

प्रत्येक व्यक्ति को विधि की जानकारी होना चाहिए - न्यायाधीश राठौड़

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन न्यायालय परिसर एडीआर भवन में किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में आयोजित विधिक जागरूकता शिविर की शुरूआत राष्ट्रगान से हुई। शिविर में न्यायाधीश श्री सुधीर सिंह राठौड़ ने कहा कि समाज में विधि का शासन है। प्रत्येक व्यक्ति को विधि की जानकारी होना चाहिए। विधि की जानकारी होने से व्यक्ति को अपने अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी रहती है। यदि उसके अधिकारों का उल्लंघन होता है तो विधि के उचित फोरम में जाकर न्याय प्राप्त कर सकता है। श्री राठौड़ ने निःशुल्क विधिक सहायता, विभिन्न विधियों तथा जमानत संबंधी कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। शिविर में अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में मृतात्माओं को श्रद्धांजली भी अर्पित की गई। शिविर का संचालन अधिवक्ता अनीस पाण्डेय ने किया। शिविर में विधि के विद्यार्थी और अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

रोजगार मेला आईटीआई में 16 को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत महावीर आईटीआई रीवा में 16 जून को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 12 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा (18-48 वर्ष) तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। वेतन एवं भत्ते 8500 रुपए से 25 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। वेतन एवं भत्ता विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग देय होगा। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में अलर्ट एसजीएस प्रा. लि. रायपुर छत्तीसगढ़, आमधनी प्रा. लि. एमआरएफ टायर्स गुजरात, अपोलो टायर्स याजाकी धूत ट्रांसमिशन गुजरात कंपनियां शामिल होंगी। रोजगार मेले में एल एण्ड टी कंस्ट्रक्शन कांचीपुरम, शक्ति पंप इंडिया लि. पीथमपुर धार, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा पुणे महाराष्ट्र, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा, एचडीएफसी लाइफ इश्योरेन्स कंपनी लिमि. रीवा, प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा, भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस प्रा. लि. रीवा, ग्रेट आर्गेनिक डायमंड कंपनी लि. सागर तथा स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रा. लि. भोपाल की कंपनियां भी शामिल होंगी।

मैहर में कागजों पर संचालित हो रहे 14 उप लोकसेवा केंद्र

बोर्ड लगाकर संचालक गायब, ग्रामीणों को जाना पड़ रहा जिला मुख्यालय

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश सरकार ने ग्रामीण स्तर पर शासकीय योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उप लोक सेवा केंद्र खोलने का निर्णय लिया था। 2022 में जारी आदेश के मैहर तहसील में 14 पंचायतों में ये केंद्र खोले जाने थे।तत्कालीन कलेक्टर ने प्राइवेट एजेंसी के माध्यम से इन केंद्रों के संचालन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए थे।

मैहर के अमरपाटन विकास खंड में ताला, खरमसेड़ा, बेला, मुकुंदपुर और भीषमपुर में केंद्र स्थापित किए जाने थे। मैहर ब्लॉक में सोनवारी, बेरमा, घुनवारा, झुकेही, जरियारी, चौपड़ा, लटागांव, जोवा, पोड़ी और रामनगर ब्लॉक के हिनौती में केंद्र खोले जाने थे।

तीन साल बाद इन केंद्रों की वास्तविक स्थिति की जांच की गई। पता चला कि ये केंद्र सिर्फ कागजों में ही सीमित रह गए। कुछ जगहों पर सिर्फ बोर्ड लगाकर संचालक गायब हो गए। इसके कारण ग्रामीण पेंशन, सब्सिडी, पहचान पत्र, नक्शा और खसरा जैसी बुनियादी सेवाओं से वंचित हैं।

सर्प-दंश से जन-सामान्य के बचाव के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एडवाइजरी जारी

शासकीय अस्पतालों में एंटी-वेनम का किया जाएगा पर्याप्त भंडारण

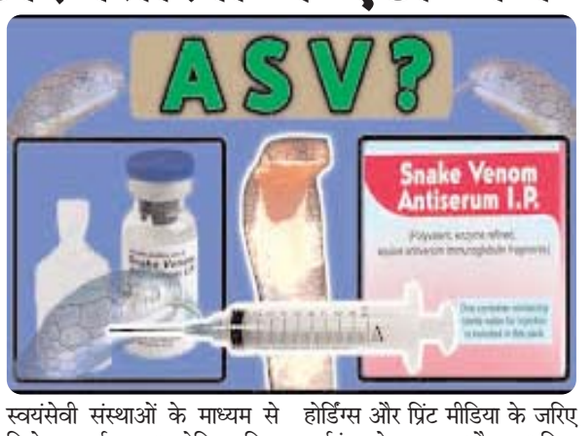

मीडिया ऑडीटर, रीवा / सतना (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सर्पदंश के मामलों को गंभीरता से लेते हुए इसे स्थानीय आपदा घोषित किया है। पिछले वर्ष सर्प-दंश से 2500 से अधिक मौत हुई थी जिससे व्यापक जनहानि हुई थी। बारिश के मौसम में बढ़ने वाली इन घटनाओं की रोकथाम के लिए एक बहुआयामी रणनीति तैयार की है, जिसमें जनजागरूकता, आपातकालीन सेवाओं का सुदृढ़ीकरण और निवारण संबंधी उपाय शामिल किए गए हैं। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायत और शहरी वार्ड स्तर पर स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सोशल मीडिया, रेडियो, होर्डिंग्स और प्रिंट मीडिया के जरिए सर्पदंश से बचाव और प्राथमिक उपचार की जानकारी प्रसारित की जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों में विशेष सत्र आयोजित कर विद्यार्थियों को इस खतरे और उससे बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित किया जाएगा। प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित 'सर्प मित्र' और 'स्नेक-कैचर्स' की तैनाती की जाएगी, जिनके हेल्पलाइन नंबर जनता को उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी सरकारी अस्पतालों में एंटी-वेनम (विषनाशक दवा) का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया जाएगा। पीड़ितों को निकटतम चिकित्सा केन्द्र तक पहुँचाने की व्यवस्था को और सुचारू बनाया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में त्वरित सहायता मिल सके।

जनजागरूकता गतिविधि में ग्रामीणों को खेतों और जंगलों में काम करते समय मोटे जूते और दस्ताने पहनने की सलाह दी जाएगी। घरों के आसपास सफाई रखने, झाड़ियों को काटने और कूड़े के उचित निपटान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पशुपालकों को पशुशालाओं के आसपास बाड़ लगाने और पर्याप्त रोशनी का प्रबंध करने की सलाह दी गई है। पर्यटन स्थलों पर सर्प अधिकता क्षेत्रों को चिह्नित करने और चेतावनी बोर्ड लगाने का भी प्रावधान किया गया है। राज्य सरकार ने इस अभियान के लिए प्रत्येक जिले को 23.17 लाख रुपये आवंटित किए हैं। बजट का उपयोग प्रशिक्षण, मॉक ड्रिल और जनजागरूकता कार्यक्रमों में किया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जनता से अपील की है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या देसी उपचार की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुँचें, क्योंकि पहला एक घंटा 'गोल्डन आवर' यानि जीवनरक्षक होता है। साथ ही, सांपों को मारने या परेशान करने के बजाय उन्हें दूर भगाने के उपाय करने पर जोर दिया गया है। इस व्यापक अभियान से उम्मीद की जा रही है कि राज्य में सर्पदंश से होने वाली मौतों में उल्लेखनीय कमी आएगी।

एएनएम के रिकार्ड का पुनः सत्यापन 23 तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के परिपालन में एएनएम के रिकार्ड का पुनः सत्यापन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में 13 जून से जारी है। एएनएम के रिकार्ड का सत्यापन 23 जून तक होगा। रिकार्ड का सत्यापन सुबह 11 बजे से किया जा रहा है। सभी एएनएम कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे निर्धारित समय में कार्यालय में उपस्थित होकर अपने रिकार्डों का पुनः सत्यापन कराएं। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला ने बताया कि कर्मचारी चयन मंडल भोपाल द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित समूह 5 के अंतर्गत ए.एन.एम. (महिला बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता) की सीधी भर्ती की आयोजित संयुक्त परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं मेरिट में आने वाली एएनएम को अपने रिकार्डों का पुनः सत्यापन कराने के लिए निर्धारित तिथि को संबंधित अधिकारी के समक्ष उपस्थित होना है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।